दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 193 मुरादाबाद, 01 November 2023 (Wednesday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

बाजारों में करवाचौथ का उत्साह, पहली बार व्रत कर रही सुहागिनों में उमंग..हाथों की रची मेहंदी

मुरादाबाद में करवाचौथ का उल्लास बाजारों में नजर आ रहा है। इससे कारोबारियों के चेहरे पर खुशी के साथ बाजार भी खिल उठे हैं। मेहंदी लगवाने के लिए ब्यूटी पार्लरों पर एडवांस बुकिंग की गई है। बाजारों में छोटे-छोटे स्टॉल भी भीड़ लगी हुई है। मुरादाबाद में करवाचौथ का व्रत रखने वाली महिलाओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। सुहागिन महिलाओं ने अपने हाथों में मेहंदी रचाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा महिलाएं मेहंदी रचाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन बुकिंग कर रही हैं। वहीं बाजारों में मेहंदी रचाने के लिए अलग से स्टॉल लगाए जा रहे हैं। करवाचौथ का त्योहार बुधवार को मनाया जाएगा।इस पर्व को लेकर महिलाओं ने खरीदारी के अलावा अन्य तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। मेहंदी को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है इस कारण महिलाओं में इसका खासा क्रेज रहता है। करवाचौथ त्योहार पर मेहंदी लगवाने के लिए ब्यूटी पार्लरों पर एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। इसके अलावा बाजारों में छोटे-छोटे स्टॉल भी लगने लगे हैं, जहां महिलाएं अभी से बुकिंग करवाने लगी हैं।शहर के प्रमुख ब्यूटी पार्लरों पर करवाचौथ के व्रत पर ग्राहकों को अलग से पैकेज भी दिए जा रहे हैं। ब्यूटी पार्लर संचालकों ने सुहागिनों के लिए एक से बढ़कर एक ऑफर दिए हैं। कुछ मेहंदी सेंटर संचालक घंटों के हिसाब से शुल्क ले रहे हैं। फ्यूजन ब्यूटी पार्लर संचालक पुष्पांजलि ने बताया कि पार्लर में 999 रुपये प्रति यूनिट से लेकर 3500 रुपये का पैकेज है।उन्होंने बताया कि अभी तक दो सौ महिलाओं ने मेहंदी लगवाने के लिए एडवांस बुकिंग करा रखी है। इनमें से अधिकतर महिलाएं करवाचौथ के दिन की बुकिंग की है। उन्होंने कहा कि करवा चौथ का त्योहार होने के कारण स्टॉफ बढ़ा दिया गया है।महिलाओं ने कहा- भीड़ की वजह से मेकअप सही से नहीं हो पाता है। इससे बचने के लिए मैंने पहले से ही मेहंदी और पार्लर बुक करवा लिया है। इससे समय बचने के साथ-साथ परेशानी से भी बच जाऊंगी।- हिमानी अरोड़ा, कुशालपुर करवा चौथ के दिन मेहंदी लगवानी है। व्रत रखने पर मेहंदी लगवाने में कोई भी परेशानी न हो

पीएम मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचकर सरदार पटेल को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

पीएम नरेंद्र मोदी 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर युवाओं के राष्ट्रव्यापी संगठन मेरा युवा भारत को लॉन्च करेंगे। रविवार को मन की बात में उन्होंने इसकी घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय गुजरात दौरे का आज दूसरा दिन है। सरदार पटेल की जयंती के मौके पर मंगलवार सुबह ही वे केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचे। यहां उन्होंने देश के पहले गृह मंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी इस दौरान रैंप से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बराबर गए और वहां से सरदार पटेल को फूल चढ़ाए। इसके बाद पीएम ने एकता नगर में इकट्ठा हुए लोगों को भी संबोधित किया। सरदार पटेल को लेकर क्या बोले पीएम मोदी? पीएम ने केवड़िया में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, मन के अनेक है, लेकिन माला एक है। तन अनेक है, लेकिन मन एक है। जैसे 15 अगस्त हमारी स्वतंत्रता के उत्सव का, 26 जनवरी हमारे गणतंत्र के जयघोष का दिवस है, उसी तरह 31 अक्टूबर का ये दिन देश के कोने-कोने में राष्ट्रीयता के संचार का पर्व बन गया है। 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किले पर होने वाला आयोजन, 26 जनवरी को दिल्ली के कर्तव्यपथ पर परेड और 31 अक्टूबर को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सानिध्य में मां नर्मदा के तट पर राष्ट्रीय एकता दिवस का ये मुख्य कार्यक्रम राष्ट्र उत्थान की त्रिशक्ति बन गए हैं। पीएम ने कहा, एकता नगर में आने वालों को सिर्फ इस भव्य प्रतिमा के ही दर्शन नहीं होते बल्कि उसे सरदार साहब के जीवन, त्याग और एक भारत के निर्माण में उनके योगदान की झलक भी मिलती है। इस प्रतिमा की निर्माण गाथा में ही एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना का प्रतिबिंब है।

गुलामी की निशानियों को हटा रहा है भारत

पीएम मोदी ने आगे कहा, अमृतकाल में भारत ने गुलामी की मानसिकता को त्यागकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। हम विकास भी कर रहे हैं और अपनी विरासत का संरक्षण भी कर रहे हैं। भारत ने अपनी नौसेना के ध्वज पर लगे गुलामी के निशान को हटा दिया है। गुलामी के दौर में बनाए गए गैर जरूरी कानूनों को भी हटाया जा रहा है। IPC की जगह भी भारतीय न्याय संहिता लाई जा रही है। इंडिया गेट पर जहां कभी विदेशी सत्ता के प्रतिनिधि की प्रतिमा थी, वहां अब नेताजी सुभाष की प्रतिमा हमें प्रेरणा दे रही है।

पीएम मोदी ने लोगों को दिलाई एकता की शपथ

पीएम ने इससे पहले गुजरात के एकता नगर पहुंचकर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर वहां मौजूद लोगों को एकता की शपथ दिलाई। इसके बाद राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर परेड का भी आयोजन किया गया। इसमें सीआरपीएफ की महिला बाइकर्स ने अद्भुत प्रदर्शन किया। पीएम ने राष्ट्रीय एकता दिवस परेड का भी निरीक्षण किया जिसमें सीमा सुरक्षा बल और राज्य पुलिस बल के मार्चिंग दलों ने भी भाग लिया।इससे पहले पीएम मोदी ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती पर एक्स पर एक पोस्ट कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा,''सरदार पटेल की जयंती पर, हम उनकी अदम्य भावना, दूरदर्शी नेतृत्व और असाधारण समर्पण को याद करते हैं जिससे उन्होंने हमारे राष्ट्र के भाग्य को आकार दिया। राष्ट्रीय एकता के लिए उनकी प्रतिबद्धता आज भी हमारा मार्गदर्शन करती है। हम हमेशा उनकी ऋणी रहेंगे।''

पटेल जयंती पर युवा भारत संगठन लॉन्च करेंगे मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर युवाओं के राष्ट्रव्यापी संगठन मेरा युवा भारत को लॉन्च करेंगे। रविवार को मन की बात में उन्होंने इसकी घोषणा की।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप, फोन टैप कर जासूसी करा रही सरकार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार उनका फोन टैप कर जासूसी कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोशिशें लोकतंत्र को खत्म करने वाली हैं।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि उनका फोन टैप कर सरकार जासूसी करा रही है। यह लोकतंत्र को खत्म करने जैसा है। मेरा फोन हैक करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार मामले की जांच कराए। इस तरह की निगरानी लोकतंत्र के लिए खतरा है। अखिलेश यादव मंगलवार को मीडिया को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार 2024 के चुनाव में होने वाली हार को लेकर घबरा गई है इसलिए विपक्ष के नेताओं को ईडी का नोटिस भेजा जा रहा है। आजम खां के जौहर ट्रस्ट की जमीन को कैबिनेट के फैसले से वापस लिए जाने पर अखिलेश ने कहा कि यह परंपरा उचित नहीं है। इसी तरह के निर्णय आगे आने वाली सरकार भी लेगी। उन्होंने कहा यूपी में समाजवादी सरकार बनने पर स्कूल कॉलेज और अस्पतालों के लिए मुफ्त जमीन उपलब्ध कराई जाएगी।

विपक्षी नेताओं के हैकिंग के दावों पर राहुल गांधी बोले- सरकार में अदाणी नंबर-1, पीएम मोदी नंबर-दो

जिन नेताओं ने यह शिकायत की है, उनमें तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा, शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी, कांग्रेस नेता शशि थरूर और पवन खेड़ा शामिल हैं।विपक्षी नेताओं की तरफ से मंगलवार सुबह दावा किया गया कि उनके फोन में सरकार-प्रायोजित हैकिंग से जुड़े चेतावनी संदेश आए। इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कई लोगों को ऐसे संदेश आए हैं। इनमें केसी वेणुगोपा, सुप्रिया श्रीनेत, पवन खेड़ा शामिल हैं। भाजपा इस वक्त युवाओं का ध्यान भटकाने की कोशिश में है। राहुल ने कहा पहले मैं सोचता था कि सरकार में नंबर-1 प्रधानमंत्री हैं, दूसरे पर अदाणी और तीसरे पर अमित शाह हैं, लेकिन ये गलत है। सरकार में नंबर-1 अदाणी हैं, पीएम मोदी दूसरे नंबर पर हैं और अमित शाह तीसरे पर।राहुल ने कहा, हिंदुस्तान की राजनीति हमें समझ आ गई है। अदाणी जी बचकर नहीं निकल सकते। हमने अदाणी को ऐसा घेरा है कि वह बचकर नहीं निकल सकते। इसलिए ध्यान बंटाने की राजनीति हो रही है। कि देश की निगाह, विपक्ष की निगाह पिंजरे में बैठे हुए तोते की ओर न चली जाए।卐 राहुल गांधी ने आगे कहा, 卐जितनी टैपिंग करनी हो कर लो। मुझे फर्क नहीं पड़ता। अगर आपको मेरा फोन चाहिए तो मैं अपना फोन दे देता हूं आपको। कम लोग लड़ रहे हैं इसके खिलाफ। लेकिन हम डरने वाले लोग नहीं हैं, लड़ने वाले लोग हैं। हम पीछे नहीं हटेंगे। किन नेताओं ने की फोन में हैकिंग की शिकायत?- विपक्ष के कई नेताओं ने दावा किया है कि उनके मोबाइल पर फोन निर्माताओं द्वारा एक संदेश भेजा गया है, जिसमें कहा गया कि उनके फोन में सरकार समर्थित हैकरों द्वारा हैकिंग की कोशिश की गई है। जिन नेताओं ने यह शिकायत की है, उनमें तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा, शिवसेना (उद्धव गुट) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी, कांग्रेस नेता शशि थरूर और पवन खेड़ा शामिल हैं। इन लोगों के अलावा आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि उन्हें भी इस तरह के मैसेज आए हैं। एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने भी बाद में इस तरह के आरोप लगाते हुए सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा, खूब पर्दा है कि चिलमन से लगे बैठे हैं। साफ छुपाते भी नहीं, सामने आते भी नहीं। इस मामले पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 卐जिस तरह मुझे पिछली रात यह चेतावनी मिली, इससे साफ है कि यह केंद सरकार का प्रायोजित कार्यक्रम है और मुझे एहतियात बरतने होंगे। चेतावनी में साफ लिखा है कि यह हमले सरकार-प्रायोजित (स्टेट स्पॉन्सर्ड) की तरफ से हुए हैं।

रन फॉर यूनिटी में दौड़ा लखनऊ: सीएम योगी बोले- पीएम मोदी ने एकता दौड़ से दी सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि

लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर बड़ी संख्या में युवाओं ने एकता दौड़ में भाग लिया। मुख्यमंत्री योगी व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सभी को शुभकामनाएं दी।लौहपुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हजरतगंज स्थित सरदार पटेल स्मारक पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एकता दौड़ रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, सांसद कौशल किशोर, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा आदि मौजूद रहे।उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर आधुनिक व अखण्ड भारत के विश्वकर्मा, लौह पुरुष, %भारत रत्न% सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं सभी को %राष्ट्रीय एकता दिवस% की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सभी सरदार साहब के सपनों का भारत बनाने के लिए संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय एकता के आधार स्तंभ और भारत माता के महान सपूत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 में जब देश आजाद हुआ था, तब स्वतंत्र भारत में अलग-अलग रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाने के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया था। सीएम योगी ने कहा कि भले ही उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें तत्कालीन सरकारों ने सम्मान न दिया हो, लेकिन 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव व्यक्त करते हुए 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की।इस अवसर पर देशवासी जाति, मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा को भुला कर एक साथ एकता दौड़ रन फॉर यूनिटी में शामिल हो करके सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। सीएम योगी ने शार्ट नोटिस पर बड़ी संख्या में एकता दौड़ रन फॉर यूनिटी में शामिल होने आए बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को धन्यवाद देते हुए उनका आभार प्रकट किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज के दिन हमें उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों और नेताओं का स्मरण करना चाहिए जिन्होंने भारत को आजाद कराने में और स्वतंत्र भारत के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि जब भारत आजाद हुआ था तो वह 562 रियासतों में बंटा हुआ था। अंग्रेजों ने जानबूझ कर रियासतों को विलय करने या अलग रहने का निर्णय करने का मौका दिया था। ऐसे में देश के गृहमंत्री के रूप में सरदार वल्लभाई पटेल के सामने क्या कठिन परिस्थिति और चुनौती रही होगी, इसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि यह सरदार पटेल की दूरदर्शिता और उनकी कूटनीतिक एवं रणनीतिक क्षमता का ही परिणाम था कि भारत की एकता और अखण्डता सुनिश्चित की जा सकी। आप सभी ने जूनागढ़ रियासत और निजामशाही से जुड़ी घटनाओं के बारे में सुना होगा। सरदार पटेल ने इन दोनों रियासतों का भारत में विलय कराया। संविधान की धारा 370 की समस्या पैदा ही नहीं हुई होती। सरकार पटेल ने उस समय सूझ बूझ और दृढ़ता का परिचय न दिया होता तो आज भारतवासियों को जूनागढ़ और हैदराबाद जाने के लिए वीजा पासपोर्ट की जरूरत पड़ रही होती।

कैबिनेट बैठक के बाद यूपी व उत्तराखंड के सीएम ने देखी फिल्म तेजस, कंगना रणौत भी रहीं मौजूद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ मंगलवार को फिल्म तेजस देखी। फिल्म की स्क्रीनिंग का आयोजन मुख्यमंत्री के कार्यालय लोकभवन में ही किया गया।यूपी में मंगलवार को कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने कैबिनेट सहयोगियों व उत्तराखंड के धामी के साथ इस मौके पर रणौत भी मौजूद स्क्रीनिंग कार्यालय थी जिसमें बड़ी कार्यकर्ता व नेता फिल्म तेजस है। स्क्रीनिंग का सिने मीडिया किया गया। इस

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह फिल्म तेजस देखी। अभिनेत्री कंगना रहीं।फिल्म की मुख्यमंत्री के लोकभवन में की गई संख्या में भाजपा भी सम्मिलित हुए। वायुसेना पर आधारित आयोजन यूएफओ नेटवर्क के सहयोग से दौरान सभी बेहद खुश नजर आए। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म पृथ्वीराज और कश्मीर फाइल्स भी देखी थी। उन्होंने इन फिल्मों की सराहना की थी और इनके कलाकारों से मुलाकात कर उनका उत्साह भी बढ़ाया था।

संपादकीय Editorial

'Fanatical' blasts in Kerala

The blasts that took place in a meeting hall in Ernakulam district of Kerala, more or less do not appear to be terrorist attacks, but are no less than that. About 2300 people were engrossed in prayer in a meeting room. They are said to belong to the 'Jehovah community', who are fundamentally Christian but also psychologically pro-Jewish. They had passed a resolution in support of Israel a day earlier. It is a Christian religious community that originated in America in the 19th century. Two women were killed in three consecutive blasts, while 51 people were said to be burnt and injured.

The condition of half a dozen was said to be critical and 18 people had to be admitted to the ICU. Of course the blasts were not 'terrorist', but were definitely inspired by religious fundamentalism. Kerala has a history of violence between different groups. There has also been a dangerous mix of religion and politics in these groups. However, the Israel-Hamas war must have also had an impact, because not only in Kerala, but Muslim organizations in different parts of the country are holding pro-Palestine demonstrations. Hamas itself is being presented as Palestine, hence the figures and facts are wrong. The pro-Palestine rally that was recently organized in Kerala was also addressed by Hamas founding leader Khaled Mashael through video conferencing.

How can it happen in the country that the leader of a terrorist group addresses a rally and no clarification is even sought from the state government? Kerala has 27 percent Muslims and 18 percent Christians. Both the communities have been maintaining a strong presence in power and politics along with the Left Front and the Congress led front. Now a thorough investigation of these blasts will reveal the extent to which fundamentalism influenced by the Israel-Hamas war is responsible?

If IED was used for the blasts, then where was it obtained from? Where did the explosive materials come from? However, one person has taken responsibility for the blasts.

This man named Dominic Martin has told the Kerala Police that he has been a member of the 'Jehovah Witness community' for 16 years, but about 6 years ago he realized that it is not a good organization and its teachings are 'seditious'. Although the Jehovah's Community has denied membership of this person, the word 'traitor' has connotations of fundamentalism and conspiracy. However, all the agencies including the National Investigation Agency (NIA) have reached Kerala. She will go deep into every aspect of the investigation.

It will also be a matter of investigation as to who played an effective role in organizing the Hamas rally? Apart from traditional parties like Congress and Indian Union Muslim League, to what extent is the politics of parties like banned PFI and SDPI effective and what is their basic thinking? In the context of these blasts, the overall security dimension of the country is also sensitive.

High alert has been imposed in Uttar Pradesh and Mumbai including the capital Delhi. Nonsense posts are being written on social media. Explanations are being made by linking the blasts to the Israel-Hamas war. However, Kerala Police has warned that legal action will be taken against those writing fake and inflammatory posts on social media. There are possibilities that the conflict in West Asia may indirectly affect India and its interests. Our country should not become a battlefield for 'foreign conflicts'.

Scenario: Violence before elections in Bangladesh, challenge for survival of BNP

The violence that took place before the elections in Bangladesh is worrying. Anyway, the upcoming elections are challenging for both the government and the opposition. If BNP does not reach power, it will cease to exist. While India is angry due to the fundamentalist inclination of the Awami League, American pressure on it has also increased. The violence that broke out during an opposition protest rally in Bangladesh last Saturday could be the beginning of a violent election season in this youngest country of South Asia. At least one policeman was killed and more than 200 people, including 40 policemen, were injured in the violence. It is a matter of concern that now this violence is spreading to other parts of the country as well. The Islamist opposition alliance of Bangladesh Nationalist Party (BNP) and Jamaat-e-Islami has made a do or die decision to oust the Awami League which has been in power for three terms. As this protest rally was organized. Now it has called for a complete transport blockade in the country for three days in support of its one-point demand. It demands that the ruling Awami League resign and allow a neutral caretaker administration to take over to conduct parliamentary elections in January. This blockade is scheduled from October 31 to November 2. Senior BNP leader Mirza Abbas says, 'If the Awami League remains in power, the country will be ruled by only one party. Therefore, this movement is not just to oust the Awami League from power, but to save the budding democracy of Bangladesh. Awami League Central Committee member Tarana Haleem countered: 'BNP-Jamaat are anti-democracy. When he came to power in 2001, he attacked many of our leaders including me. They even tried to eliminate our entire central leadership including Sheikh Hasina in 2004. They believe in Pakistani-style militarism to eliminate opponents. It is a fight for survival for the Awami League, as it is for the opposition Islamic Alliance. Sukhranjan Dasgupta, who has written several books on Bangladesh, says, 'If the Awami League loses the parliamentary elections in January, there will be bloodshed like during the BNP-Jamaat rule in 2001-06. Thousands of party leaders and workers will have to leave their workplaces and flee the country. If the opposition does not succeed in regaining power, it will definitely be the end of BNP as a party.' Dasgupta says, 'Traditionally, Awami League is a powerful party on the streets due to its long-standing opposition agitating role. But due to being in power for almost 15 years, it has now become organizationally weak, corruption has become common and the party's engagement at the grassroots level has reduced. Tarana Haleem alleges that the opposition plans to demoralize the police and security forces through violence and then terrorize the common people by attacking public transport and passengers. She says her government is facing a two-pronged attack - one, the US-led Western regime change operation and two, behind the facade of a democratic movement, a Pakistan-backed violence to oust the government through planned violence. Opposition movement. The US issued sanctions against seven senior security officials, including former police chief Benazir Ahmed, in December 2021 and also kept Bangladesh out of its democracy summit. Benu Ghosh says that the BNP-Jamaat alliance has employed politically well-connected lobbyists in the US to make the fight to gain power look like a fight to save democracy. But BNP's Abbas, who was detained along with other senior party leaders on charges of 'inciting violence', insisted that Prime Minister Hasina had ordered the crackdown to create an atmosphere of fear after the agitation, which was aimed at 'The stage has to be set for election rigging'. Abbas told media persons that Hasina cannot win a fair election. If elections are held under a neutral caretaker government, the Awami League cannot win even 10 per cent of the seats because anti-incumbency is strong due to rampant corruption and people are badly affected by rising prices of essential commodities. This is why she wants to use security forces to return to power. But secular politicians who oppose fundamentalists blame the Awami League for 'promoting soft Islam'. A senior leftist politician from a party supporting the Awami League said that 'this is not only a deviation from the secular traditions of the party, but it has also helped Islamic fundamentalists gain political legitimacy.' He said that over the years, radical Islamists and wealthy business associates have surrounded Hasina and created a coterie. On one hand this led to Islamization of politics, on the other hand corruption increased on a large scale. India is not happy with this. New Delhi has pressured the Awami League leadership to dismantle the Islamist-business lobby and return to its traditional Bengali middle-class roots, but without much success. Now when the US and its western allies are targeting Hasina on issues of democracy and human rights and China is strictly staying away from the domestic politics of Bangladesh, then 'Iron Lady' Sheikh Hasina will either have to heed New Delhi's 'advice' or risk its indifference. India and the US are strategic allies and committed to deterring an aggressive China, but have traditionally had sharp differences over the issue of Bangladesh. Sukhranjan Dasgupta says, 'Much of the political future of Bangladesh depends on how the India-US equation shapes up in South Asia.'

COP-28: Hosting the criminals, poor climate record is the basis of protest by environmental lovers

If environment lovers are opposing the COP-28 going to be held in the United Arab Emirates, the main reason for this is its poor climate record. The United Nations' annual climate conference (COP-28) is to be held in the United Arab Emirates (UAE) from 30 November to 12 December. But it is being opposed due to the UAE's poor climate record. Organizations that monitor climate treaties claim that the UAE is far behind in implementing the Paris Agreement. There is an emphasis around the world on phasing out fossil fuels, but the UAE is the seventh largest carbon emitter in the world. It is the third largest oil producer in the Organization of Oil Exporting Countries (OPEC). 30 percent of its GDP comes from oil and gas exports. Still, the UAE has not been able to give any concrete results regarding decarbonization in the last five to ten years. Climate lovers are also angry over the handing over of the presidency of COP-28 to Sultan Ahmed Al Jaber. Al Jaber is the CEO of Abu Dhabi National Oil Company (Adnoc), the UAE's largest oil company, which is already under fire from civil society over emissions. Environmental lovers are expressing concern over the increasing presence of oil advocates at the annual climate conference. The question is whether climate treaties should not contain stringent provisions on carbon emissions, which is why oil companies are making inroads there. Are efforts being made to decide the language of negotiations, proposals and final agreements in the interest of oil companies? The oil industry had the largest number of delegates from any single country at the 26th UN Climate Change Conference in Glasgow in 2021. These representatives advocate the interests of the oil and gas industry. The issue of whether climate lovers will be able to express their views openly in COP-28 reached the Human Rights Council of the United Nations. Human Rights Watch has expressed fear that this will defeat the purpose of climate talks.

In view of the increasing pressure from civil organizations, a few days ago the United Nations had to issue a joint statement with the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC). In this, the Gulf country has said that environment lovers can protest peacefully during the climate conference. Protests and sloganeering in cops are nothing new. Activists who raise their voice from court to street reach here to save the environment. Even during COP-27 held in Egypt, there were protests outside the conference. Adnoc is now claiming that it will become a zero carbon emitting company by 2045. The UAE already shared its Nationally Determined Contribution (NDC) to the UNFCCC in 2015, which outlines the National Climate Policy Programme, 2017-2050. In such a situation, the campaign being run against UAE is not being fueled through oil diplomacy. However, this claim is weak, because America and Europe are already the target of environmentalists for their ongoing investment in oil projects. The Just Stop Oil organization continues to mobilize people against government investment in oil projects in Britain. American company Exxon Mobil has also often been the target of environmentalists regarding oil mining projects.

After the Paris Agreement, the annual climate conference of UNFCC has become very important. The resolutions passed here are not limited to just the resolution like the G-20 conferences, but the countries signing it are also committed to implementation and the UNFCCC reviews it from time to time. Today, emphasis is being laid on reducing carbon emissions in the policies being made across the world, behind this are the agreements made in these climate conferences. In view of the increasing pressure from civil organizations, a few days ago the United Nations had to issue a joint statement with the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC). In this, the Gulf country has said that environment lovers can protest peacefully during the climate conference. Protests and sloganeering in cops are nothing new. Activists who raise their voice from court to street reach here to save the environment. Even during COP-27 held in Egypt, there were protests outside the conference. Adnoc is now claiming that it will become a zero carbon emitting company by 2045. The UAE already shared its Nationally Determined Contribution (NDC) to the UNFCCC in 2015, which outlines the National Climate Policy Programme, 2017-2050. In such a situation, the campaign being run against UAE is not being fueled through oil diplomacy. However, this claim is weak, because America and Europe are already the target of environmentalists for their ongoing investment in oil projects. The Just Stop Oil organization continues to mobilize people against government investment in oil projects in Britain. American company Exxon Mobil has also often been the target of environmentalists regarding oil mining projects. After the Paris Agreement, the annual climate conference of UNFCC has become very important. The resolutions passed here are not limited to just the resolution like the G-20 conferences, but the countries signing it are also committed to implementation and the UNFCCC reviews it from time to time. Today, emphasis is being laid on reducing carbon emissions in the policies being made across the world, behind this are the agreements made in these climate conferences. The Kyoto Protocol of 1996 and the Paris Agreement of 2015 have an impact on the climate and environmental policies of every country today. More than 150 countries of the world have shared their preparations to reduce carbon emissions with UNFCCC. The Green Climate Fund and the Loss and Damage Fund came into existence thanks to these climate conventions.

कलेक्ट्रेट में रजिस्ट्री कार्यालय लाने को अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन, दिया ज्ञापन

मुरादाबाद- उप निबंधक (रजिस्ट्री) कार्यालय को कलेक्ट्रेट परिसर में लाने के लिए दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के अध्यक्ष अशोक कुमार सक्सेना, महासचिव अभय कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। कहा कि 2019 से इसकी मांग एसोसिएशन की ओर से किया जा रहा है लेकिन इसकी अनदेखी की जा रही है। जो जनहित में नहीं है। अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों ने कहा कि कई दशकों से उप निबंधक कार्यालय सिविल कोर्ट की भूमि पर संचालित होता था। लेकिन किन्हीं कारणों से अनावश्यक रूप से इसे एमडीए कालोनी के एक व्यावसायिक भवन में स्थानांतरित कर दिया गया। इसका किराया 1,37,410 रुपये प्रति माह राज्य सरकार द्वारा अनावश्यक दिया जा रहा है। जिलाधिकारी कार्यालय पर दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के पदाधिकारी व अधिवक्ताओं व दस्तावेज लेखकों ने आवाज बुलंद की यहां पर न तो फोटो स्टेट की दुकान है और न वाहन खड़ा करने की जगह। जिससे अधिवक्ताओं, वेंडरों और रजिस्ट्री कराने वालों को भी परेशानी होती है। जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन देकर अधिवक्ता, स्टांप वेंडर्स, टाइपिस्ट, जन सामान्य के हित को देखते हुए उप निबंधक (रजिस्ट्री) कार्यालय को फिर से वापस कलेक्ट्रेट में स्थापित कर संचालित कराने की मांग की। इस मांग के समर्थन में उत्तर प्रदेश दस्तावेज लेखक एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य आदि मौजूद रहे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर पुलिस लाइन में हुई रन फॉर यूनिटी

मुरादाबाद- भारतीय एकता के प्रतीक स्वतंत्रता सेनानी देश के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर मंगलवार को पुलिस लाइन में रन फॉर यूनिटी का आयोजना किया गया। इस मौके पर पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र मुनीराज ने पुलिसकर्मियों से कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात देश के पहले उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती है। हम सभी इस अवसर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों को बताया कि भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल का आजादी के बाद भारत के एकीकरण में सबसे महत्वपूर्ण योगदान था, इसलिए उन्हें राष्ट्रीय एकता का प्रणेता माना जाता है। उनका जन्मदिन देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने भी पुलिसकर्मियों को राष्ट्रीय एकता दिवस और सरदार पटेल के जीवन संघर्ष के बारे में विस्तार से बताया। इस बीच में पुलिस लाइन में आयोजित रन फॉर यूनिटी का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ कराया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक नगर अखिलेश भदौरिया, पुलिस अधीक्षक यातायात सुभाष चंद्र गंगवार, क्षेत्राधिकारी बिलारी डॉ. अनूप सिंह, प्रतिसार निरीक्षक रकम सिंह भी थे। इनके साथ ही अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों ने प्रतिभाग कर राष्ट्र एकता का संदेश दिया गया। रन फॉर यूनिटी दौड़ पुलिस लाइन से आरंभ होकर पुलिस अकादमी होते अकबर किला से वापस पुलिस लाइन में समाप्त हुई।

हाईवे पर बच्चे के शव को लेकर दो पक्षों विवाद, यातायात प्रभावित

मुरादाबाद- दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर मंगलवार को बच्चे के शव को लेकर आपस में बहस चल चल रही थी। दोनों पक्ष हाईवे पर आ गए और विवाद करने लगे। ये लोग मायके व ससुराल वाले बताए जा रहे हैं।

घटना पाकबड़ा थाना क्षेत्र में लोदीपुर राजपूत के पास की है। यहां पेट्रोल पंप से आगे कुछ दूरी पर हाईवे पर ससुराल और मायके पक्ष में बच्चे के मृत शरीर को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। हाईवे पर हंगामा कर रहे हैं। यातायात भी बाधित हो गया। फिलहाल मौके पर पुलिस पहुंची है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि हाईवे पर यातायात बहाल कराकर दोनों पक्षों से मामले की जानकारी ले रहे हैं।

गुस्से में परिवार तबाहः बहन की ननद से किया प्रेम विवाह.. नौ साल बाद सुसराल गया, कहासुनी में बहनोई ने मार डाला

दिल्ली से नौ साल बाद अशरफ पत्नी के साथ मैनाठेर आया था। इस बीच उसकी बहनोई मारूफ से कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर मारूफ से अशरफ की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है। मैनाठेर थाना क्षेत्र के तख्तपुर अल्ला उर्फ नानकार में बहन के प्रेम विवाह से नाराज होकर बहनोई की चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपी मारूफ को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। उधर, दिल्ली के खजूरी स्थित कब्रिस्तान में अशरफ उर्फ गुड्डू के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया है। गुस्से में मारे गए चाकू से दो परिवार तबाह हो गए हैं।नौ साल पहले गुड्डू ने शाइस्ता से किया निकाह - दिल्ली पूर्वी के खजूरी खास निवासी अशरफ उर्फ गुड्डू की बहन शबनम की शादी 23 साल पहले मैनाठेर के तख्तपुर अल्ला उर्फ नानकार निवासी ट्रक चालक मारूफ के साथ हुई थी। इसके बाद गुड्डू का अपनी बहन शबनम घर के आना जाना शुरू हो गया था। इसी बीच गुड्डू और मारूफ की बहन शाइस्ता के बीच दोस्ती हो गई थी। करीब नौ साल पहले गुड्डू ने शाइस्ता से प्रेम विवाह कर लिया था।

गुड्डू को देखकर साले मारूफ ने नाराजगी जताई

शनिवार शाम दिल्ली से गुड्डू अपनी पत्नी शाइस्ता को लेकर ससुराल आया था। घर में गुड्डू को देखकर साले मारूफ ने नाराजगी जताई थी। रविवार सुबह सात बजे साले बहनोई में कहासुनी हो गई थी। इस दौरान मारूफ ने गुड्डू के पेट में चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। इसके बाद आरोपी साले मारूफ ने थाने में पहुंचकर सरेंडर किया था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। उधर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजन शव लेकर दिल्ली चले गए और गुड्डू के शव को सपुर्द-ए-खाक कर दिया है। हत्यारोपी की पत्नी शबनम भाई गुड्डू के दफन में शामिल हुई, जबकि साथ में गुड्डू की पत्नी शाइस्ता भी ससुराल में पहुंच गई है।

गाली देने पर मारूफ ने कर दी थी हत्या

पुलिस पूछताछ में हत्यारोपी मारूफ ने बताया कि शनिवार रात में अपने घर में बहन शाइस्ता और उसके पति अशरफ उर्फ गुड्डू को देखकर नाराज हो गया था। उस समय लोकलाज की वजह से मैंने कुछ नहीं कहा। रविवार सुबह में जब आपस में बातचीत हो रही थी तो शाइस्ता पैतृक जमीन में हिस्से की मांग करने लगी। इसी बात पर विवाद शुरू हो गया था। इसी बीच शाइस्ता का पति अशरफ उर्फ गुड्डू गाली-गलौज करने लगा। साथ ही मारने के लिए बढ़ा। तब मैंने उसके पेट में चाकू मार दिया था।हत्यारोपी मारूफ की पत्नी शबनम जब दिल्ली अपने सगे भाई अशरफ उर्फ गुड्डू की दफीने में शामिल होने के लिए गई तो वहां पर गुड्डू की मौत पर महिलाओं ने उसको ताने दिए। कहा कि तेरे पति ने गुड्डू को मार दिया, जबकि उसने अपनी बहन शाइस्ता को क्यों नहीं मारा। यह सब कुछ तेरे सामने कैसे हो गया। वह महिलाओं के तानों के जवाब नहीं दे सकी। गमजदा शबनम ने एक तरफ भाई को खो चुकी है तो दूसरी तरह हत्या में उसका पति जेल जा चुका है। अब कहां रहेगी शाइस्ता पति अशरफ उर्फ गुड्डू की हत्या के बाद शाइस्ता सदमे में है।

सपा नेता आजम खां को बड़ा झटका: जौहर ट्रस्ट से वापस ली जाएगी विद्यालय की जमीन, कैबिनेट में लगी मुहर

सपा नेता आजम खां के जौहर ट्रस्ट को दी गई जमीन वापस ली जाएगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव पर मुहर लगी। सपा सरकार में दी गई जमीन की कीमत 100 करोड़ से ज्यादा है पर जौहर ट्रस्ट को ये सिर्फ 100 रुपये सालाना के किराये पर दी गई थी। जेल में बंद सपा के दिग्गज नेता आजम खां को योगी सरकार की तरफ से एक और बड़ा झटका लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में रामपुर में मौलाना मो. जौहर ट्रस्ट को माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा लीज पर दी गई मुर्तजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के भवन व भूमि वापस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। गौरतलब है कि सपा सरकार में शर्तों की अनदेखी करके विद्यालय की जमीन जौहर ट्रस्ट को मात्र 100 रुपये सालाना के किराये पर दी

गई थी। मामले में शिकायतकर्ता विधायक आकाश सक्सेना ने आरोप लगाया था कि सपा कार्यकाल में आजम ने मुर्तजा विद्यालय की जमीन को जौहर ट्रस्ट के नाम करवा लिया था। इसके बाद इसमें रामपुर पब्लिक स्कूल खोल दिया। भाजपा विधायक का कहना है कि रामपुर शहर स्थित यह जमीन 3825 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में है। इसमें सपा का कार्यालय भी है। जमीन की कीमत सर्किल रेट के हिसाब से 10 करोड़, जबकि मार्केट रेट 100 करोड़ से ज्यादा है। डीएम रामपुर की जांच रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने इस जमीन को माध्यमिक शिक्षा को लौटाने का फैसला किया है।

अखिलेश यादव बोले, ये परंपरा ठीक नहीं

जौहर ट्रस्ट की जमीन को कैबिनेट के फैसले से वापस लिए जाने पर अखिलेश ने कहा कि यह परंपरा उचित नहीं है। इसी तरह के निर्णय आगे आने वाली सरकार भी लेगी। उन्होंने कहा यूपी में समाजवादी सरकार बनने पर स्कूल कॉलेज और अस्पतालों के लिए मुफ्त जमीन उपलब्ध कराई जाएगी।

सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

मुरादाबाद -जनपद के विकास खण्ड डिलारी के अन्तर्गत डी.एन. शर्मा इण्टर कॉलिज बहेड़ी ब्रह्मनान में राष्ट्रीय एकता के प्रतीक सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती का आयोजन किया गया। कॉलिज प्रबन्धक पं.राधेश्याम शर्मा एवं प्रधानाचार्य दाऊद अली ने पटेल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रवक्ता अवधेश कुमार, सीताराम कश्यप, नजाकत अली, सलमान खान, फाकीर हुसैन, राजेन्द्र सिंह एवं अदिति रूहेला आदि द्वारा सरदार पटेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण एवं अनुकरण करने का संकल्प लिया। वहीं दूसरी ओर उच्च प्राथमिक विद्यालय इग्राह कंपोजिट के बच्चों द्वारा प्रभात फेरी निकालकर एकता, अखंडता तथा स्वच्छता के लिए

प्रेरित किया गया। इस अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। जिसमें सभी बच्चों, विद्यालय स्टाफ, भोजन माता ने भाग लिया बच्चों द्वारा देश भक्ति गीत एवं कविताओं द्वारा एकता एवं अखंडता का संदेश दिया और लघु नाटिकाओं द्वारा स्वच्छता, शिक्षा एवं समाज में फैली हुई कुरीतियों को दूर करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक कुलदीप कुमार द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर व्याख्यान किया। बच्चों को एकता एवं अखण्डता की शपथ दिलाई। वरिष्ठ अध्यापक प्रेमपाल सिंह, आलोक कुमार एवं शवाना परवीन ने सरदार पटेल के द्वारा देश हित में किए गए विभिन्न कार्यो पर प्रकाश डाला।

करवाचौथ की तैयारी पूरी, इस तरह करें पूजा...मुरादाबाद में शुभ मुहुर्त शाम पांच से होगा शुरू

सुहागिनों का सबसे महत्वपूर्ण व्रत करवाचौथ एक नवंबर को है। पति-पत्नी के अखंड प्रेम, सम्मान व त्याग की चेतना का प्रतीक पर्व करवाचौथ की तैयारियां परवान पर हैं। पति के लंबी आयु के लिए अन्न-जल त्याग कर सुहागिनें व्रत रखेंगी। शाम को पूजन आदि की पूर्णता के बाद रात को चांद का दर्शन व अर्ध्य देकर अपने पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रती उपवास तोड़ेंगी। ज्योतिषाचार्य पंडित सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इस बार करवाचौथ व्रत का कुल समय 13 घंटे 42 मिनट का रहेगा। यह सुबह छह बजकर 33 मिनट से शुरू होकर रात आठ बजकर 15 मिनट पर

समाप्त होगा। उन्होंने बताया कि इस बार करवाचौथ पर सर्वार्थ सिद्धि समेत तीन शुभ योग बन रहे हैं। करवाचौथ पूजा सामग्री-ज्योतिषाचार्य पंडित सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि करवाचौथ पूजा का शुभ मुहुर्त शाम पांच बजकर 36 मिनट से शाम छह बजकर 54 मिनट तक है। उन्होंने बताया कि करवा चौथ पूजा सामग्री में देसी घी, इत्र, नारियल, जनेऊ जोड़ा, अबीर, गुलाल, शहद, दक्षिणा, कच्चा दूध, छलनी, कपूर, गेहूं, रूई की बाती, करवा माता की तस्वीर, दीपक, अगरबत्ती, लकड़ी का आसन, हलुआ, आठ पूरियों की अठावरी आदि होना चाहिए। करवाचौथ का व्रत रखने वाली महिलाओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। कुछ सुहागिन महिलाओं ने सोमवार से अपने हाथों में मेहंदी रचाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा महिलाएं मेहंदी रचाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन बुकिंग कर रही हैं। वहीं बाजारों में मेहंदी रचाने के लिए अलग से स्टॉल लगाए जा रहे हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पूर्व जिला अध्यक्ष ने सिधौली वार्ड नंबर 5 क्षेत्र बाबा कॉलोनी का दौरा किया

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने सिधौली वार्ड नंबर 5 मोहल्ला बाबा कॉलोनी क्षेत्र का दौरा किया जनता की समस्याएं सुनी जनता के साथ हर गली को देखा विकास कार्यों को देखा भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह को जनता ने बताया है कि 500 मीटर लंबी रास्ता 20 फुट के करीब चौड़ी रास्ता है

इसकी नापतोल कई बार हो चुकी है लेकिन अभी विकास कार्य नहीं हुआ है इस रास्ते की फाइल लंबित पड़ी हुई है भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह नगर आयुक्त से अनुरोध किया है कि इस बाबा कॉलोनी के इस रास्ते का निर्माण कार्य अति शीघ्र करने की कृपा करें जिस की जनता को कठिनाइयों से बचाया जा सके बरसात के दिनों में इतना जल भरा हो जाता है लोगों को अपने मकान छोड़कर के किराए के मकान में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी का सट्टा आदेश है कोई भी गली कोई भी सड़क विकास कार्य से वंचित नहीं होनी चाहिए उसे आदेश का नगर निगम के अधिकारियों को पालन करना चाहिए उत्तर प्रदेश सरकार विकास कार्य के लिए भरपूर पैसा भेज रही है पैसे में कोई कमी नहीं आने दे रही है लेकिन अधिकारियों की लापरवाही है इस तरह की समस्याएं क्षेत्र से उठकर आ रही है विकास कार्य से संबंधित जनता की समस्याओं को दूर किया जाए

जलाली प्रकरण मे पुलिस अधिकारी लीपापोती मे लगे, क्या आतंकवादी था आरोपी जो रात मे ही घर मे घुस गयी पुलिस?

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

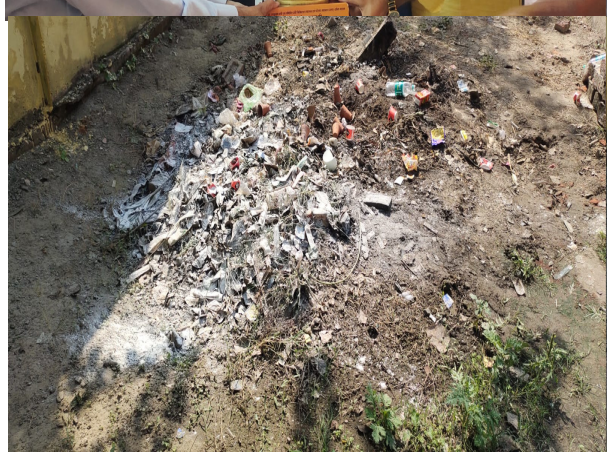

अलीगढ़ -अलीगढ़ हरदुआगंज- उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में स्थित हरदुआगंज थाने की पुलिस इन दिनों बेलगाम हो गई है! पुलिस के आला अधिकारियों की सरफरश्ती में मनमानी ढंग से कम कर रही है 7 ताजा मामला जलाली पुलिस चौकी के चौकी प्रभारी की वायरल वीडियो से सामने आया है, वायरल वीडियो में खुलेआम महिलाओं से गुंदागर्दी, बदतमीजी और मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं7 लेकिन पुलिस के बड़े अधिकारियों को अपने अधीनस्थ की यह गुंडई नजर नहीं आ रही है, फिलहाल पीड़ित परिवार ने एसपी के पास जाकर कार्रवाई की गुहार लगाई है7 आपको बताते चलें कि अलीगढ़ मीडिया ने चौकी इंचार्ज की इस गुंडागर्दी का वीडियो सबसे पहले अपने न्यूज़ पोर्टल पर प्रसारित किया था7 इसके बाद सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है7 पुलिस के अतरौली सर्कल के छ्ह का कहना है कि मामले में बातचीत की है स्थानीय स्तर पर पुलिस ने बताया है कि पुलिस चोरी के मामले में आरोपी को पकड़ने के लिए घर पर गई थी,इसी दौरान घर की महिलाओं ने आरोपी को पकड़ने में बाधा डाली और हल्की धक्का मुक्की हुई आरोपी के खिलाफ थाना हरदुआगंज में मुकदमा दर्ज है, उसी के तहत यह कार्रवाई की गई है7 अलीगढ7 हरदुआगंज के जलाली में पुलिस की गुंडागर्दी, रात में महिलाओं से अभद्रता लेकिन प्रकरण पर अलीगढ़ मीडिया. सवाल करता है कि जिस व्यक्ति पर पुलिस चोरी का आरोप लगा रही है, उसे व्यक्ति को पकड़ने के लिए पुलिस रात में ही क्यों गई? क्या चोरी की घटना इतनी बड़ी थी की पुलिस को देर रात सोती हुई महिलाओं से इस तरह बदतमीजी करने जरूरी था? यहां सवाल यह भी होता है कि क्या जिस व्यक्ति पर आरोप लगाया गया क्या वह आतंकवादी था जो बिना किसी वीजा पासपोर्ट के देश को छोड़कर भाग जाता? इतनी गैर जिम्मेदार हरदुआगंज पुलिस कैसे हो गई कि उसने ना तो कोई मानव अधिकार समझ और ना ही और ना ही कोई नियम कानून? अगर पुलिस को इतना जरूरी ही था आरोपी को पकड़ना क्यों नहीं अवगत कराया? और बिना किसी पुलिस एफआईआर दर्ज किए बिना किसी महिला पुलिस के साथ लिए चौकी इंचार्ज यू कैसे महिलाओं से बदसलू की कर सकते हैं यह अधिकार उन्होंने उनको किसने दे दिया? क्या पूरे प्रकरण में को अतरौली का संरक्षण है? उन्हें जो हरदुआगंज की पुलिस मनमाने ढंग से कम कर रही है7

वायरल फीवर से 15 दिन में 10 की मौत, सैकड़ों बीमार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- ब्लॉक सकीट क्षेत्र के गांव मानिकपुर में वायरल फीवर से 15 दिन में 10 बीमारों की मौत हो चुकी है। मौत होने के पीछे बीमारों को स्वास्थ्य केन्द्र, मेडिकल कालेज में उपचार कराने के बजाय झोलाछाप के यहां ले जाना बताया जा रहा है। मानिकपुर ग्राम प्रधान प्रवीन गुप्ता ने बताया कि गांव में वायरल फीवर बीमारी फैली हुई है। बीमार लोग पीपल अड्डा पर अपंजीकृत क्लीनिक में पहुंचकर उपचार करा रहे हैं। वह मरीजों से फीस नहीं लेते हैं। इनके क्लीनिक में गांव में तीन से चार बीमारों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा शहर के अन्य अपंजीकृत क्लीनिकों में उपचार के दौरान मरे हैं। उन्होंने बताया कि 15 दिन में करीब दस लोगों की वायरल फीवर से गांव में मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि 28 वर्षीय गिरीश चंद्र पुत्र मुन्नालाल, 40 वर्षीय सुनीता देवी पत्नी ओमकार सिंह, 17 वर्षीय शिवम पुत्र छोटेलाल, 65 वर्षीय दयाराम पुत्र बद्री, 60 वर्षीय मुन्नी देवी पत्नी रघुवीर, 55 वर्षीय राज बहादुर पुत्र कुंदन सिंह, 28 वर्षीय अश्वनी पुत्र सूरजपाल, रामखिलाड़ी 70 वर्ष, भारत सिंह 70 वर्ष, रोशन लाल 80 वर्ष की वायरल फीवर से मौत हो चुकी है।

नाम मेडिकल कॉलेज, सुविधाएं स्वास्थ्य केंद्र वाली भी नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच -निशाकांत शर्मा

एटा- लोगों को न तो आंख में डालने को ड्राप मिल रही और न ही न ही कफ सीरफ। जो दवाएं मिल भी रही है उसके लिए भी मारा मारी हो रही है। डॉक्टर के पर्चे की लिखी दवा भी पूरी ना मिलने से मरीज परेशान है। रविवार के अवकाश के बाद सोमवार को जब अस्पताल खुला तो मरीजों की लंबी लाइन थी। पर्चा बनवाने के लिए लाइन लगी। पर्चा की लाइन से निकलते तो डॉक्टर को दिखाने के लिए भीड़ थी। सबसे अधिक मरीज वायरल बुखार के है। यह जो बुखार है जो एक-एक सप्ताह से पहले जाने का नाम नहीं ले रहा है। जांच कराने के लिए भी सबसे अधिक भीड़ है। सोमवार को मलेरिया, डेंगू के लिए 60 सैंपल लिए गए। इसमें सभी की रिपोर्ट नैगेटिव आई। सबसे अधिक परेशानी तो दवा लेने के लिए महिलाओं को उठानी पड़ी। बच्चों के साथ आने वाले महिलाओं को पूरी दवा नहीं मिल रही। आयरन की गोलियां भी वहां पर नहीं है।

उपमुख्यमंत्री पहुंचे पनैठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीएमओ से पूछे सबाल, नहीं दे सके जबाव

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - अलीगढ़ उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को गुलदस्ता भेंट किया प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने पनैठी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया जहां स्वास्थ्य केंद्र में व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई साफ सुथरी चादरें कंबल बेड पर नजर आए केंद्र के निकट व अंदर गंदगी पर किसी ने ध्यान नहीं दिया उपमुख्यमंत्री ने करीब आधा घंटे तक एक कक्ष में राज्यमंत्री संदीप सिंह, जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीरज त्यागी, अपर निदेशक डॉ. साधना राठौर, सांसद सतीश गौतम, कोल विधायक अनिल पाराशर की मौजूदगी में विभागीय समीक्षा की। इसी दौरान उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के सवालों का सीएमओ जवाब देने में हिचकिचा गए। उनके साथ मौजूद अन्य अधिकारियों ने जवाब देकर उपमुख्यमंत्री को संतुष्ट किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह, बृज प्रांत के उपाध्यक्ष ठा श्यौराज सिंह, गौरव शर्मा, ठाकुर गोपाल सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष देवराज सिंह, संजय राजा, रामसखी कठेरिया, अखिलेश प्रताप सिंह, अवधेश शर्मा, मोनू सिंह, पार्टी के आदि कार्यकर्ता मौजूद

कृष्ण की बाल लीलाओं ने किया रोमांचित, सनातनी त्योहार धूमधाम से मनायें

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-श्रीमद् भागवतकथा के पांचवें दिन गोवर्धन पूजा में रमे रहे श्रद्धालु भगवत भक्त व साधू का कभी अपमान न करो - चिन्मयानंद श्री कृष्ण की बाल लीलाओं ने किया रोमांचित, सनातनी त्योहार धूमधाम से मनायें। कस्बा आवागड़ में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन गोवर्धन पूजा का वृतांत सुनाते अंतर्राष्ट्रीय संत चिन्मयानंद बापू अभिमान मनुष्य के पतन का सबसे बड़ा कारण है। घमंड चाहे धन का हो या फिर बाहुबल और मान सम्मान और ज्ञान का, कभी ना कभी पतन की ओर अग्रसर करता है। यह उधर हरिद्वार के अंतर्राष्ट्रीय संत कथा वाचक चिन्मयानंद बापू ने श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन गोवर्धन पूजा का वृतांत सुनाते हुए कहे। आगरा रोड स्थित पचोरी फार्म हाउस के समीप चल रहे आयोजन में क्षेत्रीय तथा आसपास के श्रद्धालुओं की भीड़ उमड रही है। कन्हैया के जन्म के उपरांत गोकुल में खुशी के माहौल का जीवंत वाचन करते हुए बापू ने कहा कि भगवान के जन्म की 6 महीने तक खुशियां मनाई गई। भगवान के गिरिराज जी को उंगली पर उठाने के दौरानगोवर्धन महाराज के जयकारे समूचे पंडाल में गूंज उठे। इस मध्य गिरिराज जी का छप्पन भोग लगाया गया तथा श्रद्धालुओं ने आरती उतारी। इस दौरान आयोजक धर्मेंद्र गुप्ता, देवेंद्र गुप्ता, नीरज गुप्ता जसराना, राजेश गुप्ता ,राधा मोहन दुबे, शिव प्रकाश गुप्ता ,सत्यवीर यादव, अनिल गोयल ,विपिन जैन, निशु गुप्ता ,हिमांशु गुप्ता, अनिल चौहान ,अभिषेक गुप्ता, रवि गुप्ता, सनी गुप्ता, संजीव पचोरी एडवोकेट ,अनिल गुप्ता, ऋषि गुप्ता, मुनेश गुप्ता,राहुल वर्मा, रेखा गुप्ता ,लक्ष्मी गुप्ता, महिमा गुप्ता, दीपिका, वर्षा गुप्ता, मंजू गुप्ता ,अंजू गुप्ता, सोनम गुप्ता, रिंकी गुप्ता, दीपिका गुप्ता, उषा गुप्ता , निशा गुप्ता, आकांक्षा गुप्ता, दीपिका गुप्ता ,महिमा गुप्ता ,पारुल वर्मा, मंजुला जैन आदि सैकड़ो महिला पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

एटा के सभी ब्लॉको मे लगभग 40 त्न स्कूलों के आज 10 बजे तक ताले ही नहीं खोले गये

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

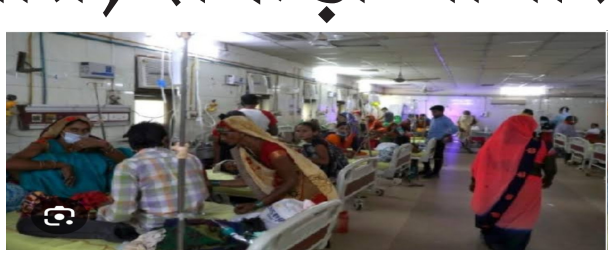

एटा-एक तरफ देश की अखड़ता पर बात की जाती है और जिस व्यक्ति के व्यक्तित्व की आधारशीला पर भारत सरकार वर्तमान में राष्ट्रीय एकता दिवस मना रही है उसी के साथ जनपद में छल-फरेब किया जा रहा है। पुरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप मे आज का दिन मनाया जा रहा है। सभी विभागों के साथ ही शिक्षा विभाग को इस दिवस को बेहतर रूप से मनाने के निर्देश जारी हुए है व बच्चों को इस दिन की महत्वता जाननी बेहद जरुरी है। जनपद एटा के सभी ब्लॉको मे लगभग 40 त्न स्कूलों के आज 10 बजे तक ताले ही नहीं खोले गये है. अलीगंज, जैथरा ब्लॉक सबसे आगे है जहाँ पर स्कूलों को खोला ही नहीं गया है। जरेलिया, धरोली स्कुल के सभी अध्यापक गायब है। यह दोनों स्कूल जैथरा ब्लॉक मे मौजूद है। वही अलीगंज के सड़क से लगे स्कूलों पर भी ताले जड़े हुए मिले है। मारहरा ब्लॉक व निधोली ब्लॉक की हालत भी ऐसी ही है। यह हालत इसलिए नहीं है कि सरकार निक्कमी है, इन स्कूलों मे अध्यापक के ना आने के कारण भी है। सबसे पहले तो,क्क्र स्तर पर पैसों की लूट और अध्यापको को छूट देना है। दूसरे कारण यह है कि नवागत जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह की नजर इस विभाग पर महज इतनी भर है कि स्कूल ठीक है। जबकि BSA इस पुरे खेल में सीधे शामिल रहते है। क्योंकि इन महाशय के निर्देश के बिना तो शिक्षा विभाग मे पत्ता भी नहीं हिलता है। महान नेता वल्लभ भाई पटेल जी आप की यह हालात होने का भी जिम्मा बीजेपी सरकार का है क्योंकि आप को किताबों से निकाल कर यही लोग लाये थे. वरना अच्छे खासे किताबों मे छुपे आराम कर रहे थे७. जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह को इस तरफ देखना चाहिए कि जिले कि हालत ख़राब ना हो। क्योंकि कार्यक्रमों के फीते नेताओं के भरोसे रहे तो ठीक है!!!

पिपलिया मंडी चौपाटी में हुआ भव्य स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच
कारुलाल पाटीदार

मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय ईमानदार कर्मठ पवित्र कांति के जनक विधानसभा क्षेत्र अरबो रुपए के विकास के कार्य करवाए अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी चौहान के नेतृत्व में मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र एवं पूरे मध्य प्रदेश हितग्राही लाभ उठा रहे हैं मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी जगदीश जी देवड़ा की रैली के बाद पिपलिया मंडी चौपाटी मैं भव्य स्वागत हुआ वहां से नारायणगढ़ होते हुए मल्हारगढ़ आएं कार्यकर्ता एवं समस्त भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता पहुंचे रैली को सफल बना कर गांव ईशाकपुर सरपंच गोपाल जी गुर्जर मदन लाल जी पाटीदार कन्हैयालाल जी गुर्जर सुखलाल जी गुर्जर मुकेश गुर्जर बापू लाल गुर्जर राम प्रहलाद जी गुर्जर गोपाल दास बैरागी गांव ईशाकपुर मैं बीजेपी कार्यकर्ता, रैली में समय देकर रैली को सफल बनाएं है

इसी कड़ी में प्रत्याशी के द्वारा सभी का अभिवादन धन्यवाद दिया गया

जिला व्यायाम शिक्षक की नियुक्ति को लेकर दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच
शेर सिंह

बरेली- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बरेली के द्वारा महामंत्री जी के नेतृत्व में जिला गाइड कैप्टन तथा जिला व्यायाम शिक्षक की नियुक्ति को लेकर ज्ञापन बीएसए सर की अनुपस्थिति में प्रभारी बीएसए श्री भानु शंकर गंगवार जी को दिया गया। जिला महामंत्री विनोद कुमार ने बताया की लगभग वर्ष 2017 से जिला व्यायाम शिक्षक का पद रिक्त चल रहा है तथा जिला गाइड कैप्टन का पद 2021 में श्रीमती कंचन कनौजिया की आकस्मिक मृत्यु हो जाने के बाद से रिक्त चल रहा है। संगठन ने आग्रह किया है की दोनों पदों पर यथाशीघ्र नियुक्ति की जाए। जिससे कि जिले में शून्य पड़ी स्काउट गाइड की एक्टिविटी पुन: सुचारू रूप से चल सके । जिला संगठन मंत्री जितेंद्र गंगवार के द्वारा 68500 भर्ती में आए

शिक्षक साथियों को वरिष्ठता सूची में शामिल किए जाने की बात रखी , इस पर प्रभारी बीएसए के द्वारा बताया गया की 68500 को वरिष्ठ सूची में शामिल कर लिया जाएगा । ज्ञापन देने वालों में महामंत्री विनोद कुमार, संगठन मंत्री जितेंद्र गंगवार, कोषाध्यक्ष पुष्कर उपाध्याय, ब्लॉक अध्यक्ष रामनगर परीक्षित गंगवार, ब्लॉक अध्यक्ष ,बिथरी चैनपुर के कार्यकारी अध्यक्ष अरविंद कुमार, ब्लॉक संयोजक मझगवां विवेक वर्मा आदि साथी उपस्थित रहे।

लौह पुरुष को याद किया, निकाली प्रभातफेरी

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा।श्री पी0 सी0 आजाद इण्टर कालेज बिहार कला में भारत रत्न लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय एकता और अखण्डता दिवस के रूप में मनाई गयी। सबसे पहले सरदार पटेल के चित्र का अनावरण कर प्रधानाचार्य डाक्टर राजेन्द्र कुमार गंगवार ने माल्यार्पण किया। समस्त स्टाफ ने माल्यार्पण किया। इस मौके पर स्टाफ एवं छात्र व छात्राओं को राष्ट्रीय एकता और अखण्डता दिवस की शपथ प्रधानाचार्य ने दिलाई । सरदार पटेल के स्वतंत्रता आन्दोलन में किए गए कार्यों को विस्तार से बताया गया। उनके बताये हुए रास्ते पर चलकर देश की अखण्डता को बनाये रखने का संकल्प लिया। विद्यालय स्टाफ में इस मौके पर छदम्मी लाल, नीरज गंगवार, जयवीर तोमर, हेम पाल प्रमोद स्वरूप,जलज सक्सेना,आरती पांडे, सुरेन्द्र पाल शर्मा, भारती माला, शालिनी सक्सेना, विनोद कुमार, वरिष्ठ लिपिक चौधरी पंकज कुमार सिंह, चतुर्थश्रेणी कर्मचारी काली चरन , गंगा राम सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

थाना जनेह बना जातीय दलालों का अड्डा,दलाल अपने आप को बताते हैं थाना प्रभारी के रिस्तेदार

क्यूँ न लिखूँ सच

रीवा- सरकार द्वारा अपराधियों पर अंकुश लगाने और समाज में अव्यवस्था का आलम न हो एवं आम जनता को न्याय दिलाने के लिए पुलिस विभाग की स्थापना की गई है जिसे बड़ी सूझ बूझ के साथ देशभक्ति जन सेवा का लोगो भी दिया गया है जिसे पढ़कर और सुनकर जनता पूर्ण रूप से यह भरोसा करती है कि पुलिस विभाग की चौखट पर जाएंगे तो हमें न्याय मिलेगा। आम जनमानस को परेशानी न हो इसके लिए सरकार द्वारा आबादी और जन संख्या के आधार पर थानो और चौकियों की व्यवस्था की गई है। लेकिन न्याय के साथ साथ थानों में दलालों की सक्रियता के कारण लोगों को न्याय के लिए मोटी रकम भी देनी पड़ती है, इसी तरह सूत्रों द्वारा मिली जानकारी अनुसार आज कल जनेह थाने में दलालों का बोलबाला है जो इस समय जात पात और रिश्तेदार वाद का अड्डा बन चुका है सूत्रों का कहना है कि जब से नए थाना प्रभारी शैल यादव जनेह थाना मे आए है तब से दूसरे छेत्र के उनके सगे

संबंधियों का जमावाड़ा बना रहता है जो कही भी किसी को रोक कर अवैध वसूली किया करते हैं सूत्रों की माने तो कुछ दिन पूर्व किसी ट्रेक्टर वाले से एक सिपाही और दूसरे जगह से आकर दलाल द्वारा पैसा लिया गया है! जिसका जल्द ही होगा खुलासा,सबसे दिलचस्प बात तो ये है की सगे संबंधी का कहना है की समझ जाओ शैल यादव थाना प्रभारी मैं ही हूं जो निर्णय मैं ले लूंगा वही होगा।सूत्रों की माने तो दिन भर थाने मे बैठा रहता है और दलाली करता है खैर इस सब का जल्द हीं होगा खुलासा।अगर जनेह थाने का सीसीटीवी फुटेज निकलवाया जाय तो सच सामने आ जायेगा। क्या इसके बावजूद भी थाना प्रभारी को कानों कान खबर नहीं है?उनके नाम से हो रही है अवैध वसूली जो कि बाहर से लड़का आकर अपने आप को प्रभारी का रिश्तेदार बताता है। सूत्रों का यह भी कहना है की बाकायदा थाने मे रुकता है और मदिरा का सेवन भी करता है। हालांकि इसकी वीडियोज भी बना ली गई थी जो जल्द ही आप लोगों के सामने होगी जिससे सारी सच्चाई देखी जा सकती है।क्या इस सब की जानकारी थाना प्रभारी साहब को नहीं है,अगर है तो ये किसके इशारे मे चल रहा है। सूत्रों से मिली इस खबर की पुष्टि हमारा समाचार पत्र नहीं करता है यह जांच का विषय है सच्चाई क्या है इसका अंदाजा जांच के बाद ही लगाया जा सकता है।खैर यह भी आरोप है की इस समय थाना प्रभारी सुर्खियों मे रहने के लिए अपने ही सगे संबंधियों से सोशल मीडिया में बढ़चढ़ कर खबरें लगवाते है और उन्हीं लोगों से दलाली भी करवाते हैं। गरीबों की कोई सुनवाई नहीं होती है, इस समय जनेह थाना अन्तर्गत आपराधिक घटनाएं ज्यादा हो रही है जिसके कारण लोग अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

बन रही सड़क का निर्माण कार्य ग्रामीणों ने रुकवाया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- जलेसर आवागढ़ मार्ग पर अकराबाद के सामने बंबे पर बन रही सड़क का निर्माण कार्य ग्रामीणों ने रुकवा दिया। आरोप है कि जो सड़क बनाई जा रही वह मिट्टी पर ही डामरीकृत किया जा रहा है। नीचे गिट्टी आदि कुछ नहीं डाली गई। इसकी शिकायत विभागीय अधिकारियों से की गई है। ब्लॉक क्षेत्र के गांव नगला मितन के लिए अकराबाद बंबा से होकर एक किलोमीटर की डामरयुक्त सड़क का निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग की ओर से कराया जा रहा था। विभाग ने थोड़ी सी गिट्टी डालकर बाकी मार्ग पर कच्ची मिट्टी के ऊपर ही डामर युक्त गिट्टी डालने का कार्य प्रारंभ कर दिया था। डामर पड़ती देख ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया आधा दर्जन युवाओं ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवाया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं नगला मितन के निवासी विजय कुमार सिंह ने बताया कि आजादी के 75 वर्षों के बाद अवागढ़ जलेसर मार्ग से गांव तक एक किलोमीटर सड़क बनने का नंबर आया है। लोक निर्माण विभाग की मनमानी के चलते सड़क निर्माण के नाम पर लीपा पोती की जा रही है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा इसके लिए हम आंदोलन के साथ-साथ अन्य कार्रवाई करेंगे। रोष व्यक्त करने वालों में कुशलेंद्र पाल सिंह, हरेंद्र पाल सिंह, शिवम कुमार, रवि कुमार, भोला सिंह, छोटू कुमार, वीरेश कुमार, विनय कुमार, दुष्यंत प्रताप सिंह आदि प्रमुख थे।

लाखों रुपये का गबन करने के बाद सचिव बीमारी का बहाना बनाकर गायब

क्यूँ न लिखूँ सच -निशाकांत शर्मा

एटा- लाखों रुपये का गबन करने के बाद सचिव बीमारी का बहाना बनाकर ऐसा गायब हुआ कि अभी तक वापस नहीं लौटा है। जांच के दौरान दस्तावेज देखे गए, जिसमें लाखों रूपये का गबन होना पाया गया। इसके बाद सहकारी समिति सचिव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। विकासखंड अलीगंज/जैथरा सहायक विकास अधिकारी ओवेन्द्र कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि बी पैक्स हत्सारी सहकारी संस्था है जो कृषकों को उर्वरक, बीज, ऋण वितरण का कार्य करती है। संस्था पर अशोक कुमार सचिव कार्यरत थे। 11 सितंबर को बीमारी का कारण बताकर अवकाश लेकर चले गए थे। इसके बाद से वह वापस नहीं लौटे। समिति का कार्य अवरूद्ध होने पर 26 सितंबर को सील कर दी गई। डीएम आदेश के बाद 13 अक्तूबर को नायब तहसीलदार की उपस्थिति में समिति कार्यालय एवं गोदाम के ताले तोड़कर विजयवीर सिंह को चार्ज दिया गया। समिति के गोदाम एवं कार्यालय से प्राप्त अभिलेखों एवं संम्भार की जांच की गई। जांच में पाया गया कि सचिव हत्सारी अशोक कुमार निवासी बंधो भरथरा जनपद इटावा ने उर्वरक बिक्री की धनराशि सात लाख 89 हजार 499 रूपये तथा कृषक वसूली की धनराशि 13 लाख 21 हजार 864 रूपये दोनों मिलाकर 21 लाख 11 हजार 363 रूपये का गबन किया गया। सचिव ने यह रूपये शाखा अलीगंज में जमा न करके खुर्द बुर्द कर गबन कर लिया है। इनके विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई। मामले की रिपोर्ट दर्ज हो गई है। अलीगंज पुलिस मामले की जांच करेगी।

महाविद्यालय में धूम-धाम से राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्राचार्य जे.आर. पैकरा के मार्गदर्शन में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।

सर्वप्रथम महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को प्राचार्य के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर एकता के लिए दौड़ तहसील कार्यालय चांदनी बिहारपुर से प्रारम्भ किया गया एवं गाँव के विभिन्न पारा, मोहल्लों, चौक चौराहों पर विद्यार्थीयों एवं प्राध्यापकों के द्वारा रैली व नारों के माध्यम से एकता, अखण्डता, सम्प्रभूता बनाये रखने के लिए लोगों को जागरूक किया गया तथा महाविद्यालय में मानव श्रृंखला के माध्यम से एकता के सूत्र में पिरोने का संदेश दिया गया तत्पश्चात महाविद्यालय के प्रांगण मे प्राचार्य के द्वारा एकता के लिए शपथ दिलायी गयी। इसके बाद समस्त विधार्थीयों व शिक्षकगण सभागृह में उपस्थित होकर लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल व माँ सरस्वती जी के छायाचित्र पर प्राचार्य जी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इसके बाद सभी शिक्षकों को विद्यार्थीयों के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विभिन्न विद्यार्थीयों द्वारा भाषण, चित्रकला, निबंध कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भागीदारी निभायी, इसके पश्चात कार्यक्रम के प्रमुख प्रवक्ता सचिन कुमार मिंज जी अतिथि व्याख्याता इतिहास के द्वारा विद्यार्थियों को सरदार वल्लभ भाई पटेल के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को बताते हुए 562 रियासतों को किस प्रकार एकीकरण किया गया इस पर प्रकाश डाला गया और कार्यक्रम को अंतिम रूप देते हुए प्राचार्य महोदय द्वारा भारतीय राष्ट्रीय एकता स्थापित करने में पटेल के योगदान पर प्रकाश डालते हुए सहनशीलता, धैर्यता व हर परिस्थिती में अनुकूलता कैसे बनाएं रखें यह बताया गया कार्यक्रम का सफल संचालन चन्द्रदेव राजवाड़े सर , छात्रा सरोज व छात्र विजय प्रताप के द्वारा किया गया कार्यक्रम के अन्तिम कड़ी में रितेश कुमार आर्य जी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की गयी इस कार्यक्रम में सुश्री आभा रंजना कुजूर , शिखा दुबे, अखिलेश रवि, प्रियांशु जायसवाल, नरेन्द्र बंजारे व कर्मचारी हरिशंकर डहरिया, श्रीमती सांडिल्य , भोला यादव व समस्त छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे ।

स्कूली बच्चों का हुआ मानसिक का स्वास्थ्य परीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। नगर के पी0एन0दीवान पब्लिक स्कूल में मंगलवार को रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा डाक्टर दीपक शर्मा, डॉक्टर प्रांजल तायल, डॉक्टर स्पर्श सिंह राठौर की तीन सदस्यीय टीम ने जूनियर कक्षों के 40बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण किया।

डॉक्टर श्री शर्मा ने बताया 12से17वर्ष तक के बच्चों के व्यवहार में आम तौर पर बदलाव शुरू होने लगते हैं।उनकी तमाम तरह से आकांक्षाओं में वृद्धि का समय होता है।जिन पर अभिभावकों एवं शिक्षकों को विशेष ध्यान देने का समय होता है। बच्चों को भी इस दौरान अपने अभिभावकों एवं शिक्षकों से अपने मन की बात साझा करने बेहतर खान-पान, पढ़ाई -लिखाई में ध्यान देने जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।इस मौके पर प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार गुप्ता, वरिष्ठ शिक्षिका दीपिका बनर्जी, सुलभ अग्रवाल, प्रज्ञा गुप्ता, कौशलेंद्र गुप्ता, तरन्नुम, नैना अग्रवाल, प्रतिभा सक्सेना, गायत्री देवी , पूजा शर्मा आदि स्टाफ मौजूद रहा।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए त्योंथर में निकाली गयी विशाल मतदाता रैली

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

नगर परिषद त्योथर मे मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत विद्यालयी छात्र छात्राओं के साथ मतदाता जागरूकता रैली नगर मे निकाली गई । विश्राम गृह त्योंथर से त्योंथर नदी घाट तक चली रैली को सी एम ओ नगर परिषद त्योंथर श्री आनन्द श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर आगे बढ़ाया। रैली के द्वारा स्वच्छता कर निष्पक्ष मतदान करने का संदेश दिया गया। एस डी ओ पी त्योंथर उदित मिश्रा ने छात्र छात्राओं सहित उपस्थित बसमस्त कर्मचारियों को एकता दिवस की शपथ दिलाई और समग्र सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी श्री अरविंद तिवारी ने निष्पक्ष रूप से मतदान करने हेतु सभी को मतदाता शपथ दिलाई। रैली में नगर परिषद त्योंथर उपयंत्री श्री आशुतोष तिवारी, लेखापाल

श्री अतुल पाण्डेय सहित महिला बाल विकास और कन्या विद्यालय के प्राचार्य अपने अमले के साथ उपस्थित रहें।

रालोद ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148 वीं जयंती मनाई

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। नगर बड़ागांव में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती मनाई ।स्वतन्त्र भारत के महान दूरदर्शी राजनेता-प्रशासक होने के साथ साथ वे प्रतिष्ठित वकील, बैरिस्टर तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी थे। पटेल उन कुछेक महान नेताओं व स्वतंत्रता सेनानियों में से एक हैं जिनके न सिर्फ आजादी से पहले के बल्कि आजादी के बाद के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। आजादी मिलने के बाद सरदार पटेल ने पूरे राष्ट्रको एकता के सूत्र में पिरोने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें भारत का लौह पुरुष तथा भारत का बिस्मार्क भी कहा जाता है। वल्लभभाई पटेल की जयंती को

देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है। वह एक मजबूत, अडिग और दृढ़ संकल्पित व्यक्तित्व के धनी थे। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव अशोक निरंजन ने कहा कि सरदार पटेल कानून के अच्छे जानकार थे। लंदन जाकर उन्होंने बैरिस्टर की पढ़ाई की और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में भाग लिया। स्वतंत्रता आंदोलन में सरदार पटेल का पहला और बड़ा योगदान 1918 में खेड़ा संघर्ष में था। तब खेड़ा में सूखा पड़ा था और ब्रिटिश सरकार ने किसानों के कर से राहत देने से मना कर दिया था। पटेल ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया और वकालत छोड़कर सामाजिक जीवन में एंट्री की। इस अवसर पर युवा रालोद क्षेत्रीय अध्यक्ष बुन्देलखण्ड नीरज पटेल, राकेश कुशवाहा पूर्व अध्यक्ष बुन्देलखण्ड रालोद पिछड़ा वर्ग,प्रदीप चौधरी वरिष्ठ नेता रालोद, ठाकुर दास अहिरवार,पुष्पेंद्र दांगी, गौरी शंकर पटेल, हाकिम यादव, उमेश सेन सहित आदि राष्ट्रीय लोकदल कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

तम्बाकू गुटका फेक्ट्री संचालक राजस्व को पहुँचा रहे नुकसान,एक रजिस्ट्रेशन पर दर्जनो जगह बनाये जाते गुटका

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी - मऊरानीपुर गुटका की सबसे बड़ी मंडी बनी हुई यहां से मध्य प्रदेश तथा दूर दूर के शहरों में गुटका तैयार कर भेजा जाता नगर व ग्रामीण क्षेत्रो में संचालित गुटका फैक्टरियों की जानकारी सम्बन्धित अधिकारियों को होंने के बाबजूद सिर्फ जांच के नाम पर कोरम पूरा किया जाता जिस तरह गुटका तैयार किया जाता वह देखने लायक है खुले मैदान में सिपाड़ी तम्बाकू पड़े रहते उक्त गुटका में इस तरह का केमिकल मिलाया जा रहा कि दर्जनो लोगो के मुह बन्द हो गए या उन्हें केंसर जैसी घातक बीमारी हो चुकी क्योकि इसमे जो भी समान मिलाया जाता वह घटिया बेकार सामग्री होती जैसे इलाइची खराब किसी काम की नही कत्था नजर नही आता

तम्बाकू भी पता नही कोन कोन पेड़ो के पत्ते मिलाए जा रहे एक रजिस्ट्रेशन पर कई ब्रांड के गुटका तैय्यार किये जा रहे चर्चा तो यह भी है

ब्रांडेड कंपन्नी के गुटका भी तैयार किये जा रहे जैसे राज श्री तलब जैसे गुटका बन रहे नगर व क्षेत्र में गुरुजी गुटका ,महादेव गुटका , श्री गुटका जैसे तमाम नाम के तम्बाकू मिश्र गुटका तैयार किये जा रहे इन गुटको में सुंगध के लिए पता नही कोन सा सेंट प्रयोग किया जाता कि ग्राहक उसकी खुशबू देखकर खरीद लेते आखिर नगर व क्षेत्र में दर्जनो गुटका मशीनें चल रही जिनके द्वारा माल तैय्यार कर यूपी एम पी बड़े बड़े शहरों में बेचा जा रहा अनेक नाम से बने गुटका कंपनी संचलाको पर कोई कार्यवाही अमल में नही लाई जाती सम्बन्धित अधिकारी सिर्फ कोरम पूरा करने के लिए उन्ही फेक्ट्रियो में जाच करने आते जिनके नाम रजिस्ट्रेशन है जबकि दर्जनो जगह संचालित हो रही फेक्ट्रियो की जानकारी होने के बाद उनके पास नही जाते सूत्रों की माने तो अवैध तरीके से चल रही गुटका फेक्ट्रियो के संचालको को एक बड़े होटल में बुलाकर सुविधा शुल्क लिया जाता उन्हें छोड़ दिया जाता अभी तक ऐसा नही हुआ कि नामी व्यापारियों के अलावा अन्य फेक्ट्री पर कार्यवाही की गई हों सरकार के द्वारा चाहे कितनी सख्ती की जा रही हों कि भ्रस्टाचार न हो लेकिन सम्बन्धित अधिकारी अपनी कार्यशैली में लापरवाही बरतने से नही चूक रहे यदि अधिकारियों से पूछा जाए कि मऊरानीपुर नगर व क्षेत्र में कितनी गुटका फेक्टरी पर कार्यवाही की गई

तो वह जबाब भी न दे पाएंगे स्थानीय प्रशासन व पुलिस सब सिस्टम में है इसलिए वह देखकर भी अनदेखी करते है।

भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान में 62वें स्थापना के उपलक्ष्य में पत्रकार वार्ता का आयोजन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी में संस्थान के अध्यक्ष डॉ. बद्री प्रसाद कुशवाहा ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया की आज एक नवंबर को संस्थान का स्थापना दिवस मनाया जायेगा. उन्होंने बताया कि संस्थान की स्थापना। देश के पशुधन को पोषण एवं गुणवत्तायुक्त चारा उपलब्ध कराने एवं चरागाहों के समुचित प्रबंधन एवं उपयोग हेतु भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान की स्थापना वर्ष 1962 में वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की ऐतिहासिक नगरी झांसी में की गयी जो आज ग्रासलैंड के नाम से भी जाना जाता है। संस्थान ने अपने स्थापना काल से ही चारा उत्पादन व उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर अनुसन्धान कर राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रचार-प्रसार करने और समन्वित विकास करने में अहम् भूमिका निभाई है। भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान में चरागाह, चारा उत्पादन, संरक्षण एवं उपयोग में विभिन्न पहलुओं में शोध एवं प्रसार हेतु फसल सुधार विभाग, फसल उत्पादन विभाग, चरागाह एवं वन चरागाह प्रबंधन विभाग, पौध-पशु सम्बन्ध विभाग, फार्म मशीनरी एवं कटन्नोत्तर तकनीकी विभाग, बीज तकनीकी विभाग एवं सामाजिक विज्ञान विभाग कार्यरत हैं। वर्तमान समय में संस्थान में सात विभाग जैसे- फसल सुधार फसल उत्पादन, कृषि अभियांत्रिकी एवं कटनोत्तर तकनीकी, बीज तकनीकी, सामाजिक विज्ञान, चरागाह एवं वन-चरागाह प्रबंधन एवं पादप-पशु संबधित विभाग है। संस्थान में पाँच इकाईयाँ अनुसंधान परियोजना प्रबंधन एवं मूल्यांकन, मानव संसाधन विकास, कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र, संस्थान तकनीकी प्रबंधन और कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाईयों के साथ एक पुस्तकालय, केन्द्रीय अनुसंधान प्रक्षेत्र, दुग्धशाला एवं केन्द्रीय उपकरण प्रयोगशाला मुख्य है। उन्होंने संस्थान कि प्रमुख शोध गतिविधिया चरागाहों के विकास, चारा फसलों के उन्नत उत्पादन, संरक्षण, उपयोग एवं पशुधन उत्पादन प्रबंधन पर आधारित होती है, संस्थान चारा फसलों की 250 से अधिक उन्नत किस्मों (100 से अधिक जलवायु अनुकूल किस्मे सहित) का विकास कर चुका है, चारा उत्पादन, संरक्षण एवं उपयोग के क्षेत्र में विभिन्न मशीनों जैसे कि चारा बीज बुवाई एवं कटाई मशीन, चारा संघनीकरण मशीन, यूरिया उपचारण थ्रेसर, बरसीम से चिकोरी पृथक्करण मशीन, चारा बीज गोलीकरण मशीन, फीड पेलेट एवं फीड ब्लॉक मशीन इत्यादि को विकशित किया गया, ये मशीनें किसानों के बीच काफी लोकप्रिय साबित हो रही हैं। चारे की लगातार बढ़ती हुई कमी की समस्या एवं उत्तम चारा फसलों की कमी को पूरा करने के लिए संस्थान में संस्थागत, बाह्य वित्त पोषित एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से विभिन्न परियोजनाएं चलाई जा रही है। इसके लिए चारा तकनीकी प्रदर्शन पर राष्ट्रीय पहल (एन आई एफ टी डी), आदर्श चारा ग्राम, मेरा गाँव मेरा गौरव, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, सासंद आदर्श ग्राम योजना, उन्नत भारत अभियान फार्मर फर्स्ट, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति उपपरिजोजना, एन ई एच परिजोजना इत्यादि जैसे दूरस्थ पहुँच कार्यक्रमों के द्वारा संस्थान द्वारा विकसित तकनीकियों को किसानों एवं सभी उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने के लिए उन तक पहुँचाने का विशेष प्रयास किया जा रहा है।

चार हजार बच्चों के सरकारी स्कूल को कराया था खाली, रसूख के चलते आजम ने उस पर बनाया कार्यालय

उत्तर प्रदेश सरकार ने आजम खां के रामपुर स्थित कार्यालय दारूल अवाम और रामपुर पब्लिक स्कूल के जमीन की लीज निरस्त कर दी है। यह जमीन माध्यमिक शिक्षा विभाग को फिर से वापस मिल गई है। जब आजम ने इस जमीन को अपने ट्रस्ट के नाम करवाया था तो वहां पर संचालित सरकारी स्कूल में लगभग चार हजार बच्चे पढ़ते थे। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां की मुश्किलें कम नहीं हो पा रही हैं। आजम परिवार के जेल जाने के बाद उन्हें एक और बड़ा झटका लगा है। सरकार ने उनकी तोपखाना रोड स्थित कार्यालय दारूल अवाम और रामपुर पब्लिक स्कूल के जमीन की लीज निरस्त कर दी है। अब यह जमीन माध्यमिक शिक्षा विभाग को वापस फिर से वापस मिल गई है।ताजा मामला आजम खां के तोपखाना स्थित कार्यालय दारूल अवाम और रामपुर पब्लिक स्कूल से जुड़ा है। सपा नेता आजम खां ने जिस राजकीय मुर्तजा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को खाली कराकर अपना (समाजवादी पार्टी) का कार्यालय बनाया उस समय स्कूल में करीब चार बच्चे पढ़ते थे। यह बात वर्ष 1990 के दशक की है। आरोप था कि आजम ने 1995 में विद्यालय के भवन को खाली करवाकर इसे जौहर ट्रस्ट के नाम करा लिया। महज 100 रुपये की सालाना लीज - सपा नेता आजम खां ने अपने राजनीतिक रसूख के चलते सौ साल के लिए करोड़ों रुपये की जमीन लीज अपने ट्रस्ट के नाम करा ली। बात वर्ष 2012 की है। तब सूबे में सपा की सरकार थी और आजम खां उस सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। तब आजम खां के पास नगर विकास, अल्पसंख्यक कल्याण जैसे सात शक्तिशाली विभाग थे। उनकी ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी उनकी बात नहीं टाल सकते थे और तब सरकार ने मजबूरी में यह जमीन जौहर ट्रस्ट को दे दी। चार सदस्यीय कमेटी ने की थी जांच- जौहर ट्रस्ट को आवंटित की गई जमीन के दुरूपयोग के मामले में भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने मुख्यमंत्री से शिकायत की थी। जिसके बाद सरकार के आदेश पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन लालता प्रसाद शाक्य के नेतृत्व में गठित चार सदस्यीय टीम ने जांच की थी। इस टीम में उपजिलाधिकारी सदर जगमोहन गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक मुन्ने अली, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी संजीव कुमार भी शामिल थे।

जल में फंसी जिंदगी की उम्मीदः सोन नदी में नहाते समय भाई-बहन समेत चार डूबे, एक को बचाया गया; तीन लापता

गोताखोरों की मदद से डूबे तीनों की तलाश की जा रही है। लेकिन अब तक किसी का पता नहीं चल पाया। घाट के किनारे जुटे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।वाराणसी के चोपन थाना क्षेत्र के अम्माटोला स्थित बलियरी घाट पर मंगलवार को नहाते समय मौसेरे भाई-बहन समेत चार लोग सोन नदी में डूब गए। डूब रहे एक बालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन तीन अन्य का पता नहीं चल सका। गोताखोरों की मदद से पुलिस शाम तक उनकी तलाश में जुटी रही। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। झारखंड के गढ़वा जिले के टंडवा निवासी जितेंद्र तीन दिन पूर्व अम्माटोला स्थित अपने साढू अशोक के घर आया था। मंगलवार की सुबह जितेंद्र (28) अपनी पुत्र शिवानी (6), पुत्र अभिषेक (4) व साढू के पुत्र आशीष (14), रोहित उर्फ चोका (13), रिश्तेदार घोरावल के मुठेर निवासी दीपक (25) सहित कुछ अन्य सदस्यों के साथ सोन नदी में नहाने बलियरी घाट पर पहुंचा। नहाने के दौरान आशीष, रोहित, दीपक और शिवानी नदी के तेज बहाव में फंसकर डूबने लगे। उनकी चीख-पुकार सुनकर किनारे मौजूद लोगों की नजर पड़ी तो खलबली मच गई। शोर मचाते हुए लोग उन्हें बचाने के लिए दौड़े।

घाट से करीब पांच सौ मीटर दूर एक टीले में जाकर रोहित फंस गया, जिस कारण उसे सुरक्षित निकाल लिया गया। अन्य तीनों का कहीं पता नहीं चला। सूचना पाकर सीओ सदर संजीव कटियार, चोपन एसओ विश्वनाथ प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। गोताखोरों की मदद से डूबे तीनों की तलाश शुरू की गई। शाम तक किसी का पता नहीं चल पाया था। घाट के किनारे जुटे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

मुजफ्फरनगर में दर्दनाक हादसा, डीसीएम से टकराई बाइक, पिता-पुत्री समेत तीन की मौत, मचा कोहराम

मुजफ्फरनगर में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में पिता-पुत्री समेत तीन लोगों की मौत हो गई। एक साथ तीन मौत होने से कोहराम मचा है।मुजफ्फरनगर के रतनपुरी में दिल्ली-दून हाईवे स्थित खतौली बाईपास पर टायर पंक्चर के बाद अनियंत्रित बाइक डीसीएम से टकरा गई।

हादसे में गंभीर घायल बाइक सवार पिता-पुत्री समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मृतक हिमाचल प्रदेश से त्योहार मनाने के लिए अपने घर हाथरस लौट रहे थे। हाथरस जिले के जगसेन थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दूधाहेड़ी निवासी लाखन पुत्र पदम सिंह अपने गांव के अन्य साथियों के साथ हिमाचल प्रदेश में कंबल बेचने का काम करते थे। सोमवार देर रात दिवाली का त्योहार मनाने के लिए बाइक पर सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे।

लाखन की बाइक पर गांव का ही तेजबीर (32) पुत्र भरत सिंह, तीन साल की रुचिका पुत्री तेजबीर सवार थे। सोमवार देर रात करीब एक बजे बाइक सवार दिल्ली-दून हाईवे पर फुलत अंडरपास के निकट पहुंचे तो इनकी बाइक का टायर पंक्चर हो गया। जिसके कारण बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े डीसीएम से टकरा गई। हादसे में लाखन, तेजवीर और रुचिका गंभीर घायल हो गई। पुलिस ने हाईवे एंबुलेंस की सहायता से घायलों को मेरठ के फ्यूचर प्लस अस्पताल में भर्ती कराया।मंगलवार सुबह उपचार के दौरान घायल लाखन और तेजबीर की मृत्यु हो गई, जबकि दोपहर में घायल रुचिका ने भी दम तोड़ दिया।

पुलिस ने मृतकों के साथियों की मदद से सूचना मृतकों के परिजनों को दी। देर शाम तक परिजनों ने रतनपुरी थाने पर कोई तहरीर नहीं दी है। पुलिस ने सड़क किनारे खड़े डीसीएम गाड़ी सहित चालक को हिरासत में ले लिया है।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्मः रात में 14 साल की लड़की को घर से उठा ले गए तीन युवक, बाग में की दरिंदगी

शाहजहांपुर के जलालाबाद क्षेत्र में अनुसूचित जाति की किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घर में अकेली सो रही किशोरी को तीन लोग उठाकर यूकेलिप्टस के बाग में ले गए और उसके दुष्कर्म किया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। मेडिकल परीक्षण के लिए पीड़िता को राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा गया। पीड़िता की मां की तहरीर पर तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। रात में घर में सो रही अनुसूचित जाति की किशोरी को तीन युवक उठा ले गए। तीनों ने गांव के बाहर बाग में उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी के रोने की आवाज सुन पास में फसल की रखवाली कर रही उसकी मां मौके पर पहुंची तो उसे देखकर आरोपी फरार हो गए। पीड़ित किशोरी की मां ने बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है। शादीशुदा दो बड़ी बेटियां ससुराल में रहती हैं, दो बेटे बाहर रहकर मजदूरी करते हैं। घर में वह अपनी 14 साल की बेटी और दस साल के बेटे के साथ रहती है। महिला ने बताया कि बच्चों के सो जाने के बाद वह सोमवार रात करीब आठ बजे अपनी फसल की रखवाली करने खेत पर चली गई।

रात में किशोरी को घर से उठा ले गए आरोपी

आरोप है कि इसी दौरान मौका पाकर वीरभान, प्रमोद व सोने उसके घर में घुस आए। उसकी बेटी को सोते से दबोच कर घर के सामने यूकेलिप्टस के बाग में ले गए। तीनों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। मां के मुताबिक, थोड़ी दूरी पर वह खेत पर थी। उसने बेटी के रोने की आवाज सुनी तो मौके पर पहुंच गई। मां को देखकर तीनों आरोपी भाग गए। महिला के मुताबिक उसकी बेटी की हालत खराब होने पर वह कई निजी अस्पतालों में लेकर पहुंची लेकिन उसे भर्ती नहीं किया गया। बाद में उसने पुलिस की मदद से बेटी को राजकीय मेडिकल कॉलेज भिजवाया। सीओ अजय राय ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म के अलावा एससीएसटी और पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

Following low carb diet for a long time can cause these health problems

Health Tips: In our desire to get slim as soon as possible, we often choose wrong options which can cause harm to our health instead of benefits. One such option is low carb diet. Yes, if you are also thinking of starting a low carb diet for weight loss, then first know its

disadvantages. To lose weight, most people start following low carb diet without knowing anything.If you do not try any kind of solution on your own to become thin, then it can cause harm. Harmful effects of low carb diet on health. What efforts do we make to become thin, sometimes dieting, sometimes different ways? of drinks, sometimes following different types of diets and sometimes, far from being slim-trim, they become victims of many types of problems. Note that everyone's body is different, so the easiest way to get fit and lose weight is exercise, so always try it first, but if for some reason you are not able to exercise and are thinking of getting your body in shape through diet. If you are suffering from diabetes, then definitely consult a doctor once before starting any kind of diet. So that you can avoid any kind of side effects. To lose weight, people start following low carb diet without taking expert advice, then know about the disadvantages caused by it. Disadvantages of low carb diet: Dizziness - The thing that happens after following low carb diet. The thing that people complain about the most is dizziness. Carbohydrates work to provide energy to the body, so when they are deficient in the diet, one feels dizzy and weak. Due to limited food options, there is deficiency of many other essential nutrients along with carbohydrates, which has a negative effect on the body. Muscle Cramps- Following a low carb diet for a long time can also lead to the problem of muscle cramps. This is because by taking such a diet, there is a deficiency of water in the body and when the essential minerals are not available for the body, then the problem of muscle cramps starts. Feeling of weakness- As mentioned above, carbohydrate-rich foods help in keeping the body energetic and active, whereas when you take a low carb diet, it can help in your weight loss, but it You feel weak and tired most of the time. Due to which your daily routine may be affected. Heart Problems-Low carb diet also has a bad effect on your heart. According to health experts, following a diet without carbohydrates not only increases the cholesterol level in the body but also has a bad effect on blood circulation. Any kind of disturbance in blood circulation can become a threat to the heart.

Make your wife's Karva Chauth memorable forever with these ideas.

Karwa Chauth 2023 This time the fast of Karwa Chauth will be observed on 1 November. This day is very special for married women. Women keep fast for the whole day and then break the fast in the evening after worshiping the moon. While wives fast for the whole day without eating or drinking anything, you also have to make them feel special for today. The festival of Karva Chauth will be celebrated on 1 November. Women keep fast for the long life and happy life of their husbands. You can make your wife's day special in these ways. Staying for the whole day without taking food or water is a different kind of penance, which wives do for their husbands on the occasion of Karva Chauth and Teej. They perform such difficult penance for the long life and happy life of their husbands, hence it is

the duty of the husbands to help them in whatever way possible on the day of fasting and make them feel special. If you can keep a fast, then keep the fast otherwise there are many other ways to make them happy. Know about them here. Make Sargi with your own hands- Eating Sargi on the occasion of Karva Chauth has its own importance and tradition. Sargi includes many food items, which have to be eaten before sunrise on the day of Karva Chauth. These things help in keeping you energetic during the fast, so why not make Karva Chauth sargi for them this time. Nowadays, there are videos of all kinds of recipes on social media, so surprise your wife by making some easy recipes from them. Celebrate the day of Karva Chauth together- Women are also responsible for a lot of work on the day of Karva Chauth. There are preparations for the puja in the evening, dishes to be made to break the fast and then there is the preparation to be done, so take leave today and spend time with them and help them in their work. Even a little help from you will mean a lot to them. Also, by doing this you can also show your love and care for them. Plan a gift for them- Who doesn't like gifts, but when you give gifts on any occasion, it makes them feel more special. It is the occasion of Karva Chauth, in which women keep fast for the long life and happy life of their husbands, so you can give them a lovely gift on this day. Although jewelery is the best option to give on this occasion, but you can plan to give anything according to your budget. Sure, your wife will be very happy after receiving this. Take her on a dinner date - Despite fasting, women spend most of their time in the kitchen preparing dishes to be eaten after breaking the fast in the evening. Many times they have to do this even if they don't want to, so why not take your wife on a nice date on the day of Karva Chauth. After completing the puja and all the rituals, take them to a good or their favorite restaurant and order their favorite food. Yes, but if you have such a plan, book a table in advance.

These daily habits can break the dream of becoming a "daddy", make these improvements to increase fertility.

To become a parent, both partners must be healthy. Due to lack of healthy sperm, there can be problem in getting pregnant. Some bad habits included in lifestyle have a negative impact on the ability to produce sperm. Therefore, men can increase their fertility by making some small changes in lifestyle. Know what things to keep in mind to increase fertility. Some daily habits affect the fertility of men. This changes in lifestyle. Know whether changes. To become a parent, not special care of their reproductive pregnant due to low quantity of has a direct impact on reproductive as well as women to pay attention to some lifestyle related things which not keep the laptop in your lap - increases the temperature of the sperm. Can. This happens because testicles must be lower than the emanating from a laptop can be Besides, the ability to move sperm smoking and alcohol. Drinking move sperm. Because of this, fewer chances of pregnancy are reduced. cigarettes can be beneficial. the DNA of sperm, which can cause Take care of safety during sexual physical relations increases the risk disease. Therefore, get yourself and take care of your partner's has a direct impact on our overall unhealthy food increases the risk of affects the ability of sperm to move.

problem can be avoided by making some fertility can be increased by making lifestyle only women but also men should take health. There may be problem in getting sperm or any other problem. Our lifestyle health. Therefore, it is important for men their diet and lifestyle. Let us know about can help in reducing fertility problems. Do Working with the laptop in your lap testicles, which reduces the production of to produce sperm, the temperature of the normal temperature of our body. The heat harmful for your reproductive health. can also be affected. Stay away from alcohol and smoking reduces the ability to sperm are able to reach the egg and the Therefore, staying away from alcohol and Smoking and drinking alcohol also affects problems later in pregnancy. Avoid STIs - intercourse. Being careless while having of contracting STI i.e. sexually transmitted checked for STIs regularly, use condoms health. Do not eat unhealthy food – Diet health, which also includes sperm. Eating increased cholesterol, obesity etc. This Get 7-8 hours of sleep – Due to lack of sleep, stress hormones can increase, which has a negative impact on the ability to produce sperm. Due to this, sperm motility also reduces, that is, sperms are able to move less. Therefore, make your schedule in such a way that you take 7-8 hours of sleep every day.

Kareena is making headlines with The Buckingham Murders, now husband Saif Ali Khan also praised her... called her talented

Actress Kareena Kapoor has now made her presence felt on the digital platform. Actually, Kareena keeps praising the work of her husband Saif Ali Khan. Now Saif has praised him openly. Actually, recently the film The Buckingham Murders was screened in Mumbai.

Kareena's work is being appreciated a lot in that. Saif Ali Khan was the first Hindi cinema star to step onto the digital platform after its arrival. He played the role of a police officer in the web series Sacred Games. However, his actress Kareena Kapoor has now made her presence felt on the digital platform. She was recently seen in Sujay Ghosh directed film Jaane Jaan released on Netflix. In which she played the role of a mother of a teenage girl. Kareena's work is being appreciated - After this she will be seen in the film The Buckingham Murders directed by Hansal Mehta. Kareena keeps praising the work of her husband Saif Ali Khan. Now Saif has praised him openly. Actually, recently the film The Buckingham Murders was screened in Mumbai. Kareena's work is being appreciated a lot in that. Saif will be seen in the film Devara - When he was asked a question about Kareena's choice, he smiled softly and said that she can play any kind of role. Be it glamor or commercial or off beat film. He has played all types of roles. She is a very talented actress. I am so proud of him. It is natural for Kareena to be happy after hearing these things. Let us tell you that Saif will be seen in the film Devara in the coming days. With this film he is entering the South Film Industry.

Angad Bedi returned to India after hoisting the flag in Dubai tournament, Neha Dhupia welcomed her husband

Angad Bedi returned to Mumbai today, October 30, after the Open International Masters 2023 Athletics Championships held in Dubai. During this, his wife Neha Dhupia reached the airport to welcome him. Bollywood actor Angad Bedi is going through a difficult phase these days. The actor recently lost his father, legendary spinner Bishan Singh Bedi. The actor's family has been going through difficult times for quite some time. Meanwhile, Angad Bedi has participated in the 400 meter race in Dubai in honor of his father. Angad Bedi has also won the gold medal in this race. The actor has returned to India after the championship. He was seen at the airport with his proud wife Neha Dhupia, who was there to receive him. Angad Bedi returns to Mumbai after winning the gold medal Angad Bedi returned to Mumbai today, October 30, after the Open International Masters 2023 Athletics Championships held in Dubai. During this time, the actor's proud wife Neha Dhupia had reached the airport to welcome him. A video of this period has surfaced. The couple can be seen sharing an adorable moment after meeting for the first time after the win. Actor Angad, seen in an all black look, proudly displayed his gold medal at the airport. His proud wife Neha was seen presenting the medal to her husband. The smile on the couple's face was telling everything. Pride and happiness were clearly visible on both their faces. During this, Soorma actor Angad Bedi was seen in all black look. He was wearing black jeans with a black T-shirt. At the same time, Neha Dhupia was looking very beautiful wearing a gray floral kurta tied with a ponytail. Angad Bedi made his father proud - Let us tell you that Angad Bedi has started his international sports career by winning the gold medal in 400 meter race in the Open International Masters 2023 Athletics Championship held in Dubai. From the actor's family to his fans are feeling proud of him at this time. The reason behind this is that Angad has not only participated in this race. Rather, by winning this race he has once again made his father proud.

Kangana's 'Tejas' bows down, 'Leo' - '12th Fail' also earned only this much on Monday

These days there is a clash between South and Bollywood films at the box office. In this clash, the dominance of South films is being seen. On one hand, superstar Dalpati Vijay's film 'Leo' had collected Rs 264.25 crore in its first week. On the other hand, Kangana Ranaut's 'Tejas', which was released on Friday, has failed in just four days and the condition of Vidhu Vinod Chopra's film '12th Fail' is also very bad. However, now the pace of 'Leo' and 'Tiger Nageshwar Rao' has also been slowed down. Let us know how which film performed on Monday...

Tejas- Kangana Ranaut's 'Tejas' was one of the most awaited films of this year. Kangana as well as people had high expectations from this film based on the background of the Indian Air Force, but 'Tejas' has failed to live up to them. The film has performed poorly from day one, as a result of which Kangana herself appealed to the audience to go watch 'Tejas' in theatres. However, this also had no effect and the film's collection reached lakhs in just four days. Failing miserably in the Monday test, 'Tejas' collected only Rs 50 lakh, after which its total business became Rs 4.25 crore. 12th Fail - The film '12th Fail', directed by Vidhu Vinod Chopra, received rave reviews from critics. Got great reviews from even the biggest stars. Vidhu Vinod Chopra, who is returning as a director from the film after three years, has shown his brilliant artistry. But still this Vikrant Massey starrer film is progressing slowly at the box office. After the surge over the weekend, the film's collection once again fell on Monday. '12th Fail' did a business of Rs 1.20 crore on the fourth day. Talking about the total collection of the film, it has reached Rs 7.84 crore. Ganpat - Tiger Shroff, Kriti Sanon and Amitabh Bachchan starrer film 'Ganpat' has been included in the list of flopped films of this year. The film has been yearning for the audience since its opening day and now in the second week the situation is such that there is a continuous decline in the earnings of 'Ganpat'. The film, which earned Rs 11.8 crore in the first week, did a business of only Rs 10 lakh on the second Monday. The total collection of 'Ganpat' has reached Rs 12.40 crore. Leo- South superstar Dalpati Vijay and Sanjay Dutt's action entertainer 'Leo' had a great start at the box office. 'Leo', directed by Lokesh Kanagaraj, broke the records of films like 'Jailer' and 'Gadar 2' by earning huge profits in the first week, but now its collections also saw a decline in the second week. The film had collected Rs 4.5 crore on the 12th day, with which its total business has become Rs 307.95 crore. Tiger Nageshwar Rao - The film 'Tiger Nageshwar Rao', presenting the life story of the country's famous thief, did well at the box office. Had started. But since last few days the business of the film is continuously falling. The situation is that the collection of 'Tiger Nageshwar Rao' has now reached lakhs. The film collected Rs 75 crore on the 11th day, taking its total business to Rs 34.74 crore.

After Direct to OTT, the era of Direct to TV has returned, this film is going to be a good start.

It has been a long time since the Corona infection period ended. Even the films which were looking for direct release on OTT now have to reach there through theaters and to take advantage of this changed situation, the era of direct to TV is returning again. Earlier, in the era of VHS cassettes, many films were delivered directly to homes. Then many good films were made for television also but then digital changed the whole game. But, the cycle of time moves at its own pace and also repeats itself, so the good news for the television viewers is that a new film 'Sab Moh Maya Hai' is going to be released on Zee Anmol. The subject of the film 'Sab Moh Maya Hai' Compassionate appointment is a process in which in case of death of a government employee while in service, one eligible person from his family gets the job. In director Abhinav Pareek's film, Anu Kapoor and Sharman Joshi are playing the role of father and son. Anurag Kashyap also came to encourage his protégé Abhinav Pareek at the trailer launch of the film in Mumbai on Monday. On this occasion, Anurag Kashyap said, 'I also wanted to make such films, but I did not have anyone to invest money. was not. When Abhinav made this film and brought it to me, I was very surprised after seeing the film. Abhinav has made a very good film. While making any film, it should be kept in mind that it should look expensive compared to the budget in which it is made. How to make a good film with less material and resources. By learning all these things from me, Abhinav made a good film. In the trailer of the film 'Sab Moh Maya Hai', it is shown that the son tells his father that he did nothing while alive, now do something good for us only after death. Discussing the subject of the film, Anurag Kashyap said, 'I have studied in Banaras. My father used to work in the power house. I have seen there that when a government employee dies, his family members get jobs out of compassion. Those who were born in the city would not know about compassionate appointment. This film is not being released in theaters but is being released on Zee Anmol channel. Anurag Kashyap says, 'The same amount of exposure is required to release films in theatres, the same amount of exposure is required to release small films in theatres. I am a film maker, I do not understand the mathematics of business. But the decision of the film's producer Vinod Bhanushali to release the film on TV is right. According to me there should be two objectives of making a film. Firstly, there should not be any loss and secondly, the film should reach the audience for whom the film has been made.' Anurag Kashyap says, 'The films which are good are successful whether they are released on OTT, theater or channel. 'Sirf Ek Banda Kafi Hai' released on OTT. This film was viewed the most. Producer, director and actor also benefited from this. Some things go away. People are doing different experiments. I also tried to do something different, but this is a different matter, I did not get success in it and I did not have work for a long time.